



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13]
No. 13]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 1987/वैशाख 7, 1909
NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 1987/VAISAKHA 7, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1987

अधिसूचना

सं. 2(4)/बी.आई.एफ. आर./86-औद्योगिक और वित्त पुन-
निर्माण बोर्ड, रण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985
(1986 का 1) की धारा 13 द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों और इस बाबत
इसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्न-
लिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :-

अध्याय 1

साधारण

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम औद्योगिक और वित्तीय पुन-
निर्माण बोर्ड विनियम, 1987 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. निर्वाचन

- (1) इन विनियमों के निर्वाचन के लिए साधारण खंड अधिनियम,
1897 (1897 का 10) लागू होगा।

- (2) इन विनियमों में उन शर्तों और पर्वों के जो इन विनियमों में
प्रयुक्त हैं किन्तु उक्त अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 1956
(1956 का 1) और उद्योग (विकास और विनियमन (अधि-
नियम, 1951 (1951 का 65) में परिभाषित नहीं हैं,
यदि कोई है, वही अर्थ होंगे जो उक्त साधारण खंड अधिनियम
1897 (1897 का 10) में हैं।

3. परिभाषाएं

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अशेषित न हो, -

- (क) अधिनियम से रण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधि-
नियम, 1985 (1986 का 1) अभिप्रेत है ;
- (ख) "बोर्ड" से धारा 4 के अंतर्गत गठित औद्योगिक और वित्तीय
पुनर्निर्माण बोर्ड अभिप्रेत है और जहां संदर्भ से ऐसा अशेषित
हो वहां इनके अंतर्गत बोर्ड का अधिकारिता, शक्तियां और
प्राधिकार का प्रयोग करने वाली न्यायपीठ भी है ;
- (ग) "न्यायपीठ" से धारा 12 की उपधारा (2) के अधीन गठित
बोर्ड की न्यायपीठ अभिप्रेत है ;
- (घ) "अध्यक्ष" से धारा 4 के अंतर्गत नियुक्त बोर्ड का अध्यक्ष
अभिप्रेत है ;
- (ङ) "इतिहास देने वाला" से धारा 15 की उपधारा (1) के
अधीन रण औद्योगिक कंपनी की ओर से या, परावृत्ति,

केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक, राज्य सरकार, लोक वितीय संस्था, राज्य स्तर की संस्था या धारा 15 की उपधारा (2) के अधीन कोई अनुसूचित बैंक की और से बोर्ड को निर्देश करने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है ;

- (घ) "सदस्य" से बोर्ड का कोई सदस्य अभिप्रेत है ;
- (छ) "प्रचालन संबंधी अभिकरण" से कोई लोक वितीय संस्था अभिप्रेत है, जैसा कि बोर्ड द्वारा इसके अभिकरण के रूप में साधारण या विशेष आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ;
- (ज) "हितबद्ध व्यक्ति" के अंतर्गत धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ग) के यथाश्रतगत कोई संग्रह औद्योगिक कंपनी, अंतरिती औद्योगिक कंपनी, समामेलन में संबद्ध कोई अन्य औद्योगिक कंपनी, ऐसी औद्योगिक कंपनियों का कोई लेनदार या कर्मचारी है ;
- (झ) "रजिस्ट्रार" से अधक द्वारा रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत कोई ऐसा अधिकारी है जिसे सचिव द्वारा रजिस्ट्रार की शक्तियां और कृत्य सौंपे गए हैं और ऐसा कोई अन्य व्यक्ति जो तत्समय रजिस्ट्रार के कृत्यों का निर्वहन कर रहा है ;
- (ञ) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) के उपबन्धों को लागू करने समय "स्प्यालिय" के प्रति निर्देश से बोर्ड के प्रति निर्देश समझा जाएगा और इसी प्रकार "वादी" या "प्रतिवादी" के प्रति निर्देश से बोर्ड के समक्ष समुचित पक्षकारों के प्रति निर्देश समझा जाएगा ;
- (ट) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) के उपबन्धों को लागू करने समय, "वाद या पिटीशन" के प्रति निर्देश से अधिनियम के अधीन समुचित कार्यवाहियों के प्रति निर्देश समझा जाएगा ;
- (ठ) "सचिव" से धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त बोर्ड का सचिव अभिप्रेत है ;
- (ड) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ।

बोर्ड का कार्यालय

- 4. (1) बोर्ड का केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली में होगा ।
- (2) बोर्ड का केन्द्रीय कार्यालय ऐसे समय खुला रहेगा जैसा अधक निर्देश दे ।

बोर्ड की भाषा

- 5. बोर्ड की कार्यवाहियों अंग्रेजी और हिन्दी में की जाएंगी ।
- 6. अंग्रेजी या हिन्दी से भिन्न भाषा में किसी निर्देश, आवेदन, अस्था-वेदन दस्तावेज या अन्य सामग्री को बोर्ड द्वारा तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके साथ उसका अंग्रेजी या हिन्दी में सही अनुवाद संलग्न न हो ।

निर्देशों, पत्रों आदि का फाइल किया जाना

7. बोर्ड के समक्ष फाइल किए जाने के लिए या बोर्ड को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित सभी निर्देश, पत्र उत्तर, प्रत्युत्तर दस्तावेज या कागजात फुलस्कैप आकार के कागज पर साफ साफ और सुगन्ध बंध से लिखे जाएंगे या, यथास्थिति डबल स्पेस में टाइप, साइक्लोस्टाइल या मुद्रित किए जाएंगे परन्तु किसी अन्य यांत्रिक या रासायनिक प्रक्रिया द्वारा तैयार किए गए दस्तावेजों की सही प्रतियां जिनके अंतर्गत फोटोकॉपींग भी है, फाइल की या प्रस्तुत की जा सकती हैं ।

छुट्टी

8. जहां किसी कार्य को करने के लिए अंतिम दिन उस दिन पड़ता है जिस दिन बोर्ड का कार्यालय बंद है और इस कारण वह कार्य उस दिन

नहीं किया जा सकता, वहां इसे उस अगले दिन किया जा सकेगा जिस दिन कार्यालय खुला होगा ।

स्थगन

9. यदि पर्याप्त कारण दर्शाया जाए तो बोर्ड, किसी जांच या कार्यवाही के किसी प्रक्रम पर, पक्षकारों को या उनमें से किसी को समय दे सकेगा और समय समय पर कार्यवाहियों की जांच या सुनवाई को स्थगित कर सकेगा ।

एक पक्षीय कार्यवाहियां

10. जहां सुनवाई के लिए नियत दिन को कोई पक्षकार हाजिर नहीं होता है तो, कार्यवाहियां जब तक बोर्ड द्वारा स्थगित न की जाए, इस प्रकार हाजिर न होने वाले पक्षकार की अनुपस्थिति में चलती रहेंगी ।

समय का बढ़ाया जाना या कम करना

11. उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, किसी कार्य को करने के लिए, इन विनियमों में या बोर्ड के आदेश द्वारा विहित समय—

- (क) बोर्ड के आदेश द्वारा बढ़ाया जा सकेगा (चाहे उसका पहले ही अवसान हो गया हो या न हो गया हो) ; या
- (ख) संबद्ध पक्षकारों को सूचना दिए जाने के पश्चात् बोर्ड के आदेश द्वारा कम किया जा सकेगा ।

अनुपालन का प्रभाव और सिविल प्रक्रिया संहिता का लागू होना

12. (1) इन विनियमों की किसी अपेक्षा के अनुपालन में अयकत्वता, कार्यवाही को मात्र ऐसी अयकत्वता के कारण नष्ट तक अविधिमान्य नहीं करेगी जब तक कि बोर्ड का यह विचार न हो कि ऐसी अयकत्वता से धीरे अय्याय हुआ है ;

(2) धारा 13 की उपधारा (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, जहां इन विनियमों में कोई विनिर्दिष्ट उपबन्ध नहीं किया गया है वहां, सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 (1908 का 5) कार्यवाहियों को उस सीमा तक लागू होगी जैसा बोर्ड उचित समझे ।

सूचना या अन्य दस्तावेजों की तामील

13. (1) किसी व्यक्ति पर तामील किए जाने या उसे परिवर्तित किए जाने के लिए अपेक्षित प्रत्येक सूचना या अन्य दस्तावेज उस व्यक्ति को या उसके द्वारा दिए गए पते पर या ऐसे पते पर जहां वह व्यक्ति या उसका अधिकारी सामान्यतः निवास करता है या कारबार चलाता है या लाभ के लिए स्वयं कार्य करता है, उसके उस अधिकारी को जो तामिल स्वीकार करने के लिए महाबल है, रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजा जा सकेगा और सचिव को परिवर्तित किए जाने या उसके पास फाइल किए जाने के लिए अपेक्षित प्रत्येक सूचना या अन्य दस्तावेज बोर्ड के कार्यालय में परिवर्तित किए जा सकेंगे या सचिव को बोर्ड के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजे जा सकेंगे । ऐसा अधिस्वीकृति जो किसी व्यक्ति या अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होना आवश्यक हो या डाक कर्मचारी द्वारा कोई ऐसा पृष्ठांकित कि उस व्यक्ति ने या अधिकारी ने परित्याग लेने से इत्कार किया है, बोर्ड द्वारा तामील का प्रथम दृश्य सबूत समझा जाएगा और साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 27 लागू होगी ।

(2) किसी कंपनी पर तामिल किए जाने वाले या उसे परिवर्तित की जाने वाली कोई सूचना या अन्य दस्तावेज कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में कंपनी के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, सचिव प्रबंधक या अन्य मुख्य अधिकारी को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जा सकेगा या उसे रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में छोड़ा जा सकेगा ।

(3) यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार पर तामिल किए जाने के लिए अपेक्षित प्रत्येक सूचना या अन्य दस्तावेज, समुचित

मंत्रालय या विभाग के सचिव को संबोधित किया जाएगा और भेजा जाएगा और उसकी इस विनियम के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में तामील की जाएगी।

बोर्ड की सभाएं

14. (1) बोर्ड, अपने कारोबार के संचालन के लिए, ऐसे समय या स्थानों पर, जैसा वह ठीक समझे, सभाएं कर सकेगा, परन्तु इसके प्रतिबद्ध बोर्ड के कितने विनियम के न होने पर, अध्यक्ष ही बोर्ड की बैठकों के समय और स्थान का विनियमन करेगा।

(2) बोर्ड की किसी सभा में कम से कम तीन सदस्यों के स्वयं उपस्थित होने पर बोर्ड की उक्त सभा के लिए कोरम पूरा हो जाएगा।

(3) बोर्ड के सदस्यों में मतभेद होने की दशा में, सभा में उपस्थित सदस्यों की बहुसंख्या की राय अभिप्राय होगी और बोर्ड के आदेश बहुमत के विचारों के अनुसार अभिव्यक्त किए जाएंगे। बहुमत से विसम्मत कोई सदस्य अपने कारण अलग से अभिलिखित कर सकेगा यदि सदस्य अपनी राय के संबंध में बराबर बराबर बटे हों तो अध्यक्ष का दूसरा या निर्णायक मत होगा।

(4) बोर्ड की प्रत्येक सभा की कार्यवाहियां, सभा के समाप्त होने के पश्चात्, यथाशीघ्र अध्यक्ष द्वारा या उसकी अनुपस्थिति में सभा का सभापतिव्य करने वाले सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी और उस पर तारीख डाली जाएगी और इस प्रकार हस्ताक्षरित कार्यवाहियां उममें अभिलिखित कार्यवाहियों का निश्चयक माध्यम होगी।

स्पष्टीकरण — यह विनियम किसी न्यायपीठ के रूप में बैठी न्यायपीठ के लागू नहीं होगा।

बोर्ड के आदेशों का अधिप्रमाणन और पत्र-व्यवहार

15. (1) बोर्ड के सभी आदेश और विनिर्णय, अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य, या सचिव, या अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त सशक्त किसी अन्य अधिकारी के हस्ताक्षर से अधिप्रमाणित किए जाएंगे और उन पर बोर्ड की शासकीय मुद्रा लगी होगी।
- (2) बोर्ड का प्रत्येक आदेश सचिव के या सचिव द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से सशक्त बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी के हस्ताक्षर से संसूचित किया जाएगा।

न्यायपीठ

16. (1) प्रत्येक न्यायपीठ कम से कम दो सदस्यों से गठित होगी। बोर्ड का अध्यक्ष उक्त न्यायपीठों गठित करेगा जितनी वह ठीक समझे। इस प्रकार किए गए आदेश में वे मामले विनिर्दिष्ट होंगे जिनका निपटारा संबद्ध न्यायपीठों द्वारा किया जाना हो, परन्तु अध्यक्ष, जब और जैसा ठीक समझे, किसी विशिष्ट मामले या मामले के समूह का निपटारा करने के लिए एक न्यायपीठ गठित कर सकेगा। अध्यक्ष किसी मामले को एक न्यायपीठ से दूसरी न्यायपीठ में अंतरित भी कर सकेगा।
- (2) वे स्थान, जहां न्यायपीठों की बैठकें होंगी, वे होंगे जो अध्यक्ष के आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।
- (3) इन विनियमों के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी न्यायपीठ द्वारा, अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, किया गया आदेश या कार्य, यथास्थिति बोर्ड का आदेश का कार्य समझा जाएगा।
- (4) एक अलग शासकीय मुद्रा होगी जिससे उपर्युक्त होगा कि वह बोर्ड की न्यायपीठ का मुद्रा है और ऐसी न्यायपीठ को ऐसी मुद्रा दी जाएगी जिससे वह न्यायपीठ भी उपर्युक्त होगी जिससे वह संबधित है।
- (5) ऐसी प्रत्येक मुद्रा रजिस्ट्रार की अभिरक्षा में रखी जाएगी और उसका उपयोग उसके निर्देशों के अधीन किया जाएगा।

(6) किसी न्यायपीठ द्वारा जारी किए गए प्रत्येक आदेश, संसूचना या सूचना पर या उसके द्वारा दी गई प्रमाणित प्रति पर न्यायपीठ की मुद्रा लगी होगी और वह रजिस्ट्रार द्वारा अधिप्रमाणित होगी।

(7) न्यायपीठ के अभिलेख रजिस्ट्रार की अभिरक्षा में रखे जाएंगे।

(8) रजिस्ट्रार ऐसे अन्य कृत्यों का निर्वहन करेगा जो उसे सचिव द्वारा दीये गए हों।

आदेशों का प्रकाशन

17. बोर्ड के ऐसे आदेश जो किसी प्राधिकृत रिपोर्ट या प्रेस में प्रकाशन के लिए ठीक समझे जाएंगे, उन निर्बंधनों और शर्तों पर, जो अध्यक्ष विनिर्दिष्ट करे, ऐसे प्रकाशन के लिए जारी किए जा सकेंगे।

कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति

18. यदि इन विनियमों के किसी उपबंध को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न हो तो, बोर्ड साधारण या विशेष आदेश द्वारा कोई भी ऐसा कार्य कर सकेगा जो अधिनियम के उपबंधों से असंगत न हो और जो उस कठिनाई को दूर करने के प्रयोजन के लिए उसे आवश्यक या समीचीन प्रतीत हो।

अध्याय 2

धारा 15 के अधीन निर्देश

19. (1) धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन बोर्ड को प्रत्येक निर्देश प्ररूप "क" में किया जाएगा और उसके साथ उसकी वस और प्रतियां लगी होंगी।

(2) धारा 15 की उपधारा (2) के अधीन बोर्ड को प्रत्येक निर्देश प्ररूप "ख" में किया जाएगा और उसके साथ उसकी वस और प्रतियां लगी होंगी।

(3) किसी निर्देश को बोर्ड के कार्यालय में परिदत्त करके या रजिस्ट्रीकृत डाक से भेज कर फाइल किया जा सकेगा।

(4) निर्देश की प्राप्ति पर, यथास्थिति सचिव या रजिस्ट्रार प्रत्येक के निर्देश पर इस आणय का पृष्ठांकन करेगा कि वह बोर्ड के कार्यालय में किस तारीख को फाइल किया गया या प्राप्त हुआ और पृष्ठांकन पर हस्ताक्षर करेगा।

(5) यदि संवीक्षा करने पर, निर्देश त्रुटि मुक्त पाया जाता है और ऐसी त्रुटि प्ररूपिक प्रवृत्ति की है तो यथास्थिति, सचिव या रजिस्ट्रार संबद्ध हस्ताक्षर करने वाले को ऐसे समय के भीतर जैसा वह उचित समझे। उस त्रुटि को दूर करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(6) यदि संवीक्षा करने पर, निर्देश को ठीक पाया जाता है तो इस सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत किया जाएगा, उस पर क्रम संख्यांक डाला जाएगा और संबद्ध न्यायपीठ के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

(7) यदि इतिहास करने वाला उपविनियम (5) के अधीन अनुज्ञात समय के भीतर त्रुटि दूर करने में असफल रहता है तो यथास्थिति, सचिव या रजिस्ट्रार, आदेश द्वारा निर्देश को रजिस्टर करने से इनकार कर सकेगा। निर्देश के रजिस्टर किए जाने में इस प्रकार इनकार करने पर यह समझा जाएगा कि निर्देश किया ही नहीं गया है।

(6) (1) किसी निर्देश को रजिस्टर करने में इनकार करने के रजिस्ट्रार के आदेश के विरुद्ध अपील, व्यक्ति व्यक्ति द्वारा सचिव को इस आदेश के उस संसूचित करने के पन्द्रह दिन के भीतर की जा सकेगी।

(2) किसी निर्देश को रजिस्टर करने से इनकार करने के सचिव के आदेश के विरुद्ध अपील, व्यक्ति व्यक्ति द्वारा अध्यक्ष को इस आदेश के उसे संसूचित करने के पन्द्रह दिन के भीतर की जा सकेगी और इस पर अध्यक्ष का विनिर्णय अंतिम होगा।

अध्याय 3

जांचों के बारे में साधारण उपबंध

20. (1) यथास्थिति, बोर्ड या प्रचालन संबंधी अभिकरण, ऐसी अतिरिक्त जानकारी मांग सकता है जैसी वह इतिला देने वाले से या किसी प्राधिकारी, लोक विज्ञानी या अन्य संस्था, या किसी अन्य व्यक्ति से उक्त अधिनियम या इन विनियमों में से किसी के अधीन किसी जांच या अन्वेषण के संबंध में आवश्यक समझे।

(2) बोर्ड इतिला देने वाले को, रुग्ण औद्योगिक कंपनी को, यदि वह इतिला देने वाली न हो संबंध सरकारी विभाग को, प्रचालन संबंधी अभिकरण को और ऐसे अन्य प्राधिकारियों संस्थाओं या व्यक्तियों को, जिन्हें ठीक समझा जाए, ऐसी अन्य विनिर्दिष्टों और जानकारी मांगने के लिए जो बोर्ड की राय में, बोर्ड के विचाराधीन मामलों में सुगत हो संसूचना दे सकेगा। बोर्ड की ऐसी संसूचनाओं के उत्तर प्रेषित द्वारा चार प्रतियों में प्रस्तुत किए जाएंगे।

(3) कोई, ऐसे विचार विमर्श के लिए, जैसा वह विचाराधीन मामलों के संबंध में आवश्यक समझे, इतिला देने वाले औद्योगिक कंपनी के निदेशकों के बोर्ड, या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हो, किसी सरकारी पदधारी या किसी अन्य व्यक्ति को बुला सकेगा।

(4) बोर्ड किसी भी स्थापन का जिसके जनगत इतिला देने वाले का भी है, जैसा वह आवश्यक समझे निरीक्षण कर सकेगा और इतिला देने वाले के प्रतिनिधि के साथ विचार विमर्श कर सकेगा, यदि बोर्ड की राय में ऐसा निरीक्षण और विचार विमर्श विचाराधीन मामलों के उचित अवधारण के हित में समीचीन हो।

(5) बोर्ड अपने विचाराधीन मामलों का अन्वेषण करने और विचार विमर्श करने के लिए ऐसे व्यक्तियों से मिलने के लिए ऐसे स्थानों में ऐसे अपने अधिकारी और कर्मचारी प्रतिनियुक्त कर सकेगा जिन्हें वह समुचित समझे और उनसे रिपोर्ट मांग सकेगा।

(6) इतिला देने वाली संबंधित औद्योगिक कंपनी, जब वह इतिला देने वाली नहीं है, और अन्य हितवद्ध व्यक्तियों को जिन्होंने बोर्ड को अपनी टिप्पणियां और सुझाव भेजे हैं और बांछा की है कि उन्हें सुना जाए और जिनके संबंध में बोर्ड चुने जाने का विनिश्चय करता है, सुनवाई की तारीख के संबंध में संसूचित किया जाएगा वे व्यक्ति, जिन्होंने, अपनी टिप्पणियां और सुझाव भेज दिए हैं और सूचित किया है कि वे सुनवाई में भाग लेना चाहते हैं, सुनवाई की तारीख से कम से कम 10 दिन पूर्व बोर्ड के पास एक लिखित कथन, फाइल करेंगे, जिसमें उन निवेदनों का सार होगा, जिन्हें वे सुनवाई में करना चाहेंगे।

(7) जहां बड़ी संख्या में व्यक्तियों का सामान्य हित हों, वहां सामान्य हित रखने वाले व्यक्ति अपनी ओर से या अपने फायदे के लिए कार्यवाहियों में हाजिर होने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों का अपन कर सकेगा ;

परन्तु इस संबंध में सूचना इस विनियम के उपविनियम (1) में विहित समय के भीतर बोर्ड को भेजेंगे।

(8) बोर्ड उन व्यक्तियों की सुनवाई करेगा, जिन्हें सुनवाई की सूचना भेजी गई है और जो सुनवाई के लिए स्वयं हाजिर होंगे।

(9) बोर्ड के समक्ष कार्यवाहियों में, इतिला देने वाला या प्रचालन संबंधी अभिकरण ऐसे अधिकारी या अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधित्व के हकदार होंगे, जो वह प्रतिनियुक्त करे। अन्य संबंध व्यक्ति या तो स्वयं सुने जाएंगे या किसी विधि व्यवसायी द्वारा जो उनकी ओर से कार्य करने के लिए उनके द्वारा विशेष रूप से प्राधिकृत हों, प्रतिनिधित्व किया जा सकेगा।

अध्याय 4

धारा 16 के अधीन जांच

21. धारा 15 के अधीन किसी औद्योगिक कंपनी के बारे में किसी निर्वेश पर या ऐसी कंपनी के बारे में प्राप्त जानकारी या कंपनी की वित्तीय स्थिति के संबंध में अपनी जानकारी के आधार पर, बोर्ड—

(क) स्वयं ऐसी जांच कर सकेगा, जो वह अवधारण करने के लिए वह ठीक समझे कि क्या औद्योगिक कंपनी एक रुग्ण औद्योगिक कंपनी है ; या

(ख) यदि वह उक्त (क) में उल्लिखित जांच के शीघ्र निपटारे के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझता है तो आदेश द्वारा, आदेश में विनिर्दिष्ट प्रचालन संबंधी अभिकरण को ऐसे मामलों के संबंध में, जो आदेश में विनिर्दिष्ट किए जाएं, जांच करने और रिपोर्ट देने के लिए निवेश दे सकेगा ;

परन्तु यह विनिश्चय करने के पूर्व कि क्या उक्त कंपनी रुग्ण औद्योगिक कंपनी है यह नहीं निवेदन करने के लिए बोर्ड द्वारा इतिला देने वाला, और संबंधित औद्योगिक कंपनी को, यदि वह इतिला देने वाला नहीं है, पुनियुक्त अवसर दिया जाएगा।

22. जहां बोर्ड की, प्रचालन संबंधी अभिकरण द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट और बोर्ड या अध्यक्ष द्वारा किए गए किसी आदेश के अनुसरण में या अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार प्रस्तुत की गई सचिव की उस पर रिपोर्ट पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात्, यह राय हो कि प्रचालन संबंधी अभिकरण की रिपोर्ट बोर्ड द्वारा जांच के लिए उसे निर्दिष्ट किन्हीं मामलों के संबंध में पूर्ण नहीं है, वहां बोर्ड ऐसी और जांच करने जो वह आवश्यक समझे और बोर्ड को एक अतिरिक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रचालन संबंधी अभिकरण को निदेश दे सकेगा।

23. प्रचालन संबंधी अभिकरण यथा संभव शीघ्रता के साथ जांच पूरी करेगा और जांच के प्रारम्भ के साठ दिन के भीतर ऐसा करने का प्रयास करेगा।

24. जहां बोर्ड का अपनी जांच पूरी होने के पश्चात् या यथा स्थिति प्रचालन संबंधी अभिकरण की रिपोर्ट या अतिरिक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो जाता है कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए कोई भ्रमण नहीं है कि औद्योगिक कंपनी रुग्ण औद्योगिक कंपनी हो गई है, वहां वह निर्वेश में आगे कार्यवाहियों को समाप्त कर देगा।

25. जहां बोर्ड का अपनी जांच पूरी होने के पश्चात् या यथास्थिति, प्रचालन संबंधी अभिकरण की रिपोर्ट या अतिरिक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो जाता है कि औद्योगिक कंपनी, रुग्ण औद्योगिक कंपनी हो गई है वहां वह इन विनियमों में विहित प्रक्रिया के अनुसार आगे कार्यवाही करेगा।

अध्याय 5

धारा 17 के अधीन कार्यवाहियां

26. बोर्ड, इतिला देने वाले को और रुग्ण औद्योगिक कंपनी को, यदि वह इतिला देने वाली नहीं है, निवेदन करने का युक्तियुक्त अवसर देने के पश्चात् ऐसा आदेश पारित करेगा जो धारा 17 की उपधारा (1), (2), (3) या (4) के अधीन ठीक समझे।

धारा 18 के अधीन स्कीम की तैयारी और मंजूरी की प्रक्रिया

27. किसी रुग्ण औद्योगिक कंपनी के संबंध में अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के निबन्धनों के अनुसार बोर्ड के किसी आदेश या प्राप्ति पर विनिर्दिष्ट प्रचालन संबंधी अभिकरण उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट मार्गदर्शक सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उपधारा (1) के अधीन विहित समय के भीतर और धारा 18 की उपधारा (1) और (2) के निबन्धनों के अनुसार एक स्कीम तैयार करेगा ,

परन्तु बोर्ड, संबंधित प्रचालन अधिकरण के अनुरोध पर और पर्याप्त कारण दर्शाते हुए जाने पर स्कीम प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त रूप से समय बढ़ा सकेगा।

28. बोर्ड, प्रचालन संबंधी अधिकरण द्वारा तैयार की गई स्कीम पर और इस प्रश्न पर कि क्या स्कीम धारा 17 की उपधारा (3) के अधीन किए गए बोर्ड के आदेश में विनिर्दिष्ट मार्गदर्शक निष्ठाओं के अनुसार तैयार की गई है, बोर्ड द्वारा किए गए किसी आदेश के अनुसरण में प्रस्तुत सचिव की उससे संबंधित रिपोर्ट पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात्, प्राप्ति स्कीम तैयार करेगा और उसकी एक प्रति सभ्य औद्योगिक कंपनी और प्रचालन संबंधी अधिकरण का भित्तिपत्रा ;

परन्तु यदि उक्त स्कीम किसी अन्य औद्योगिक कंपनी के साथ सभ्य औद्योगिक कंपनी के समामेलन की परिकल्पना करता है तो उसकी एक प्रति अन्तरिती औद्योगिक कंपनी और समामेलन से संबद्ध किसी अन्य औद्योगिक कंपनी की भी सुझावों और आशयों, यदि कोई हों, के लिए भेजी जाएगी। सुझाव और आशय, यदि कोई हों, ऐसे समय के भीतर बोर्ड को प्रस्तुत किए जाएंगे, जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ;

परन्तु बोर्ड, संबंधित पक्षकार के अनुरोध पर और पर्याप्त कारण दर्शाते हुए जाने पर सुझावों और आशयों को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त रूप से समय बढ़ा सकेगा।

29. बोर्ड ऐसे दैनिक समाचार पत्रों या कालिक पत्रिकाओं में, जो वह आवश्यक समझे, अधिसूचना के रूप में संबंधित प्राप्ति की संक्षेप विनिर्दिष्ट प्रकाशित करेगा या करवाएगा, जिसमें सभ्य औद्योगिक कंपनी के शेयर धारकों, लेनदारों और कर्मचारियों, अन्तरिती औद्योगिक कंपनी साथ ही समामेलन से संबंधित किसी अन्य औद्योगिक कंपनी से ऐसे समय के भीतर, जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, प्राप्ति स्कीम के संबंध में सुझाव और आशय आनवित किए जाएंगे।

30. बोर्ड, यथास्थिति, सभ्य औद्योगिक कंपनी, प्रचालन संबंधी अधिकरण या अन्तरिती औद्योगिक कंपनी और समामेलन से संबंधित किसी अन्य औद्योगिक कंपनी और ऐसी औद्योगिक कंपनियों के किसी शेयर धारक, लेनदार, या कर्मचारी से प्रोप्त सुझावों और आशयों पर विचार करेगा।

31. जहां प्राप्ति स्कीम किसी अन्य औद्योगिक कंपनी के साथ सभ्य औद्योगिक कंपनी के समामेलन की परिकल्पना करता है वहां बोर्ड, स्कीम पर तब तक प्रागे कार्यवाही नहीं करेगा जब तक कि अन्तरिती औद्योगिक कंपनी के निदेशक बोर्ड ने अन्तरिती औद्योगिक कंपनी के शेयरधारकों की साधारण सभा में उसके समस्त प्राप्ति स्कीम प्रस्तुत न कर दी हो और शेयरधारकों ने एक विशेष संकल्प द्वारा उपांतरण सहित या उसके बिना प्राप्ति स्कीम अनुमोदित न कर दी हो।

32. बोर्ड, उसके पश्चात् लिखित आदेश द्वारा धारा 18 की उपधारा (4) के निबन्धनों के अनुसार किसी उपांतरण सहित या उसके बिना स्कीम को मंजूर कर सकेगा।

33. धारा 18 की उपधारा (5) के अधीन बोर्ड के आदेश के अनुसरण में मंजूर की गई स्कीम के उपांतरण या किसी नई स्कीम की तैयारी के लिए इन विनियमों के विनियम 28, 29, 30, 31 और 32 में विहित प्रक्रिया का, जैसे वह विनियम 28 के अधीन तैयार की गई किसी स्कीम का लागू है, जहां तक हो सके, अनुसरण किया जाएगा।

अध्याय 7

धारा 19 के अधीन स्कीम मंजूर करने की प्रक्रिया

34. (1) धारा 19 की उपधारा (1) के अधीन कोई स्कीम, जो केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार, अनुसूचित या अन्य बैंक, लोक वित्तीय संस्था या राज्य सहकारी संस्था या किसी मन्दा या अन्य प्राधिकृत

में अणुओं, अधिमों, प्रत्याभूतियों, राहतों, रियायतों या दोनों के रूप में सभ्य औद्योगिक कंपनी को वित्तीय सहायता के लिए उपबन्ध करती है, केन्द्रीय सरकार, बैंक संस्थाओं या अन्य प्राधिकारियों की, जिन्हें अणु अधिम, प्रत्याभूति, राहतें, रियायतें या दान का उपबन्ध करने के लिए कहा गया है, सम्मति से बोर्ड द्वारा मंजूर की जाएगी।

(2) बोर्ड उस प्रत्येक व्यक्ति को स्कीम को परिवर्तित करवाएगा, जिससे अणुओं, अधिमों, प्रत्याभूतियों, राहतों, रियायतों, या दानों के रूप में वित्तीय सहायता का उपबन्ध करना स्कीम द्वारा अपेक्षित है ताकि वह ऐसे परिवर्तन की तारीख से अधिक से अधिक साठ दिन की अवधि के भीतर अपनी सम्मति दे सके।

(3) उन विनियम (2) के निबन्धनों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति से सम्मति प्राप्त होने पर, बोर्ड यथाशक्य शीघ्र स्कीम को मंजूर करेगा जो ऐसी मंजूरी की तारीख से ही सभी सम्बद्ध व्यक्तियों के लिए, प्रामाण्यकारी होगी।

35. जहां धारा 19 की उपधारा (2) के अधीन किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा सम्मति नहीं दी जाती है जिससे सभ्य औद्योगिक कंपनी के संबंध में अणुओं, अधिमों, प्रत्याभूतियों, राहतों, रियायतों, दानों का उपबन्ध करना स्कीम द्वारा अपेक्षित है वहां बोर्ड ऐसे अन्य उपाय, जिसके अन्तर्गत सभ्य औद्योगिक कंपनी का परिसमापन भी है, जैसे वह ठीक समझे, अंगीकार कर सकेगा।

अध्याय 8

धारा 23 के अधीन रिपोर्टें

36. प्रत्येक औद्योगिक कंपनी, जिससे अपनी शुद्ध मासिकता के हिसाब की रिपोर्ट देने की धारा 23 के अधीन अपेक्षा की गई है, प्रत्येक "य" में ऐसा करेगा।

अध्याय 9

जानकारी के प्रकटन पर निबन्धन

37. बोर्ड का कोई भी सदस्य, अधिकारी या कर्मचारी उसके द्वारा अभिप्राय या प्राप्त या अन्यथा उसके कब्जे में होने वाली किसी भी जानकारी को, जो बोर्ड के कार्यवाहियों या किसी औद्योगिक कंपनी या बोर्ड के समस्त किन्हीं कार्यवाहियों से सम्बद्ध औद्योगिक उपक्रम से संबंधित हो, उसके लिए विधिक रूप से हकदार व्यक्तियों के सिवाय किसी को प्रकट नहीं करेगा।

निरीक्षण और दस्तावेजों प्राप्ति की प्रतियां

38. (1) बोर्ड के समस्त किसी कार्यवाही के किस पक्षकार को इन विनियमों के विनियम 37 के अधीन रहते हुए, सचिव को संबोधित उस निमित्त उसके द्वारा किए गए आवेदन पर कार्यालय समय के दौरान अभिलेखों का, जिसके अन्तर्गत कार्यवाहियों के दस्तावेज भी हैं, इन विनियमों द्वारा यथाविहित फीस और प्रभारों का संदाय करने पर निरीक्षण करना और उनकी प्रतियां प्राप्त करना अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(2) सचिव, विनियम 37 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए किसी ऐसे व्यक्ति को, जो कार्यवाहियों में पक्षकार नहीं है आवेदन करने पर और उचित कारण दर्शाते करने पर, इन विनियमों द्वारा यथाविहित फीस/प्रभारों का संदाय करने पर, ऐसा निरीक्षण करने या ऐसी प्रतियां प्राप्त करने की, जैसी अन्तिम पूर्ववर्ती उप विनियम में उल्लिखित हैं, अनुज्ञा दे सकेगा।

(3) निरीक्षण बोर्ड के किसी अधिकारी की उपस्थिति में ही अनुज्ञात किया जाएगा और दस्तावेजों की नकल करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। किन्तु निरीक्षण के टिप्पण लिए जा सकेंगे।

(4) प्रतिविधि प्रभार सामग्री के एक पन्ने या उसके भाग के लिए, जिसमें विवरणों और अंकों का टाइप अन्तर्ग्रस्त नहीं है, 5 प. की दर पर और जिसमें विवरण और अंक अन्तर्ग्रस्त होंगे उसके प्रति पन्ने या उसके भाग के लिए 10 रुपए की दर पर संगणित किए जाएंगे। निरीक्षण के

लिए फीस, निरीक्षण के प्रति बंटा के लिए 20/- रु. की दर पर संगणित की जाएगी।

(5) केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार का सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रत्येक अधिकारी, या यथास्थिति, किसी लोक वित्तीय संस्था, राज्य स्तर की संस्था, रिजर्व बैंक या किसी अनुसूचित बैंक द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति, सचिव द्वारा प्राधिकृत किए जाने पर बोर्ड के समस्त कार्यवाहियों की फाइल का सभी उचित समयों पर निरीक्षण करने और उसमें किसी दस्तावेज की नकल करने या उसमें उद्धरण लेने तथा ऐसी प्रतियों या उद्धरण दिए जाने का हकदार होगा।

बोर्ड के अधिकारियों द्वारा अन्वेषण आदि

39. बोर्ड किसी भी समय सचिव को या अपने अधिकारियों में से किसी एक या अधिक को अधिनियम के अधीन उनके कृत्यों से संबंधित बोर्ड के विचाराधीन किसी मामले के संबंध में अध्ययन करने, अन्वेषण करने और रिपोर्ट या जानकारी देने का निवेस दे सकेगा। बोर्ड इस प्रयोजन के लिए ऐसे अन्य निवेस दे सकेगा जो वह ठीक समझे और वह समय विनिश्चित कर सकेगा जिसके भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है या जानकारी दी जानी है। यदि ऐसी रिपोर्ट या जानकारी बोर्ड को अपर्याप्त या प्रचुरी प्रतीत होती है तो, बोर्ड एक अतिरिक्त रिपोर्ट या जानकारी देने के लिए निदेश दे सकेगा।

परन्तु यदि इस प्रकार अभिप्राप्त रिपोर्ट या जानकारी या उसका कोई भाग किसी जांच के अभिलेख पर लाया जाता है और बोर्ड द्वारा अपनी राय कायम करने या कोई दृष्टिकोण अपनाने के लिए उसका

अवलंब लेना प्रस्तावित है तो जांच के पक्षकार या पक्षकारों को उसके संबंध में अपने निवेदन प्रस्तुत करने का व्यक्तिगत अवसर प्रदान किया जाएगा।

बोर्ड की सहायता

40. बोर्ड किसी भी समय लोक वित्तीय संस्थाओं, बैंकों या अन्य संस्थाओं, परामर्शियों, विशेषज्ञों, आर्टिस्ट प्रकाउंटेंटों, सर्वेक्षकों और ऐसे अन्य तकनीकी और वृत्तिक व्यक्तियों की सहायता से सकेगा, जो वह आवश्यक समझे और उनसे रिपोर्ट या रिपोर्टें प्रस्तुत करने या जानकारी देने की मांग कर सकेगा।

परन्तु यदि इस प्रकार अभिप्राप्त रिपोर्ट या जानकारी या उसका कोई भाग किसी जांच के अभिलेख पर लाया जाता है और बोर्ड द्वारा अपनी राय कायम करने या कोई दृष्टिकोण अपनाने के लिए उसका अवलंब लेना प्रस्तावित है तो जांच के पक्षकार या पक्षकारों को उसके संबंध में अपने निवेदन प्रस्तुत करने का व्यक्तिगत अवसर प्रदान किया जाएगा।

41. इन विनियमों को कोई भी बात किसी प्रक्रिया को, जो इन विनियमों के उपबन्धों में से किसी से विसंवादी है किन्तु अधिनियम के उपबन्धों के प्रमुख है, अंगीकृत करने से बोर्ड को बाधित नहीं करेगी यदि बोर्ड, किसी मामले या मामलों के किसी वर्ग की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, ऐसे किसी मामले या मामलों के वर्ग के निपटारे के लिए इसे आवश्यक या समीचीन समझता है।

एस. सी. त्रिपाठी, सचिव

प्रारूप—क

(कृपया विनियम 19 देखें)

टिप्पण: नीचे दी गई विनिश्चितियां अद्यतन स्थिति वित्तीयों की जब तक कि प्रस्तावनी में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

1. इतिहास देने वाले का नाम और पता।

2. औद्योगिक कंपनी का नाम और पता:

(क) प्रधान कार्यालय

(ख) कारखाना या कारखानों

3. (क) कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन कारखाने का रजिस्ट्रिकरण संख्यांक और तारीख और वह राज्य जिसमें रजिस्ट्रीकृत है।

(ख) कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कंपनी का रजिस्ट्रिकरण संख्यांक और तारीख और वह राज्य जिसमें रजिस्ट्रीकृत है।

(ग) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन अनुसूचित उद्योग जिससे विनियमित या प्रस्तावित वस्तुएं संबंधित हैं।

(घ) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन रजिस्ट्रिकरण या अनुसूचित का संख्यांक और तारीख, यदि कंपनी तकनीकी विकास महानिदेशालय के पास रजिस्ट्रीकृत है तो तकनीकी विकास महानिदेशालय के पास रजिस्ट्रिकरण का संख्यांक और तारीख भी उपदर्शित की जानी चाहिये।

(ङ) क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (क) के अन्तर्गत आनुवंशिक औद्योगिक उपक्रम है? हां/नहीं

(च) क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (ख) में यथा परिभाषित लघु उद्योग उपक्रम है? हां/नहीं

4. (क) संप्रवर्तक का नाम और पता

(ख) शोयनधारण पद्धति:

(1) संप्रवर्तक

(2) सहयोगी

(3) लोक

(4) लोक वित्तीय संस्था

(5) राज्य स्तर की संस्था

(ग) सबसे बड़े 10 शेयर धारकों के शेयर

5. सैक्टर/प्राइवेट/संयुक्त

6. (क) निदेशकों के नाम:

(निम्नलिखित उपदर्शित करें:—

क. अध्यक्ष ख. पूर्णकालिक निदेशक जिनके अस्तगत संबंध निदेशक भी हैं, ग. नामनिर्देशित निदेशक)

(ख) मुख्य कार्यपालक का नाम और चाहे जिस भी नाम से ज्ञात हो।

7. (क) मुख्य कारबार/क्रियाकलाप

(ख) अन्य अनुबंधी कारबार/क्रियाकलाप

8. क्या एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली कंपनी है? हां/नहीं

9. क्या बिदेसी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली कंपनी है ? हाँ/नहीं
 10. क्या किसी दूसरी कंपनी की समनुवर्ती है :
 (1) यदि हाँ, तो निर्वली कंपनी का नाम और पूरा पता
 (2) निर्वली कंपनी का कारबार/क्रियाकलाप
 2. पूंजी संरचना :

संख्यांक मूल्य बीज

- (1) प्राधिकृत पूंजी
 अधिमानी शेयर
 मामूली शेयर
 आस्थगित शेयर

शेयरों का कोई अन्य वर्ग :

- (2) निर्मित पूंजी
 अधिमानी शेयर
 मामूली शेयर
 आस्थगित शेयर
 शेयरों का कोई अन्य वर्ग :

- (3) समावृत्त पूंजी
 अधिमानी शेयर
 मामूली शेयर
 आस्थगित शेयर
 शेयर का कोई अन्य वर्ग :

- (ii) निर्मित पूंजी
 अधिमानी शेयर
 मामूली शेयर
 आस्थगित शेयर
 शेयरों का कोई अन्य वर्ग

- (iii) समावृत्त पूंजी
 अधिमानी शेयर
 मामूली शेयर
 आस्थगित शेयर
 शेयर का कोई अन्य वर्ग

12. आरक्षित और अधिशेष

- (1) कुली आरक्षित (रुण औद्योगिक कंपनी) (विशेष उपबन्ध)
 अधिनियम, 1985 की धारा 3(1)
 (क) (iii) के निबंधनों के अनुसार

(2) अन्य आरक्षितियाँ

(3) संचित हानियाँ

(4) योग

13. (1) वित्तीय स्थिति (दो अन्तिम लेखापरीक्षित तुलनपत्रों के अनुसार) :

(लाभ हानियों में)

वायित्व को को आस्तियाँ को को

क. समावृत्त पूंजी

ख. नियत

आस्तियाँ :

ख. आरक्षितियाँ :

छ. चालू से भिन्न आस्तियाँ :

ग. आधधिक वायित्व :

ज. चालू आस्तियाँ :

घ. चालू वायित्व :

झ. अन्य :

ङ. अन्य :

झ. लाभ और हानि लेखा प्रतिशेष :

योग

योग

- (2) सुसंगत वित्तीय वर्ष के लिये कंपनी के सम्यक् रूप से संपरीक्षित लेखाओं की अन्तिम रूप देने की तारीख, (प्रयत्न कंपनी की उस वार्षिक साधारण सभा की तारीख जिसमें कंपनी के सम्यक् रूप से संपरीक्षित वार्षिक लेखा उस वित्तीय वर्ष के लिये अनुमोदित किये गये थे, जिसके अन्त्य में शुद्ध मालियत शून्य या कम हो गयी थी)

14. (1) अन्तिम दो वर्षों के अन्तिम तुलनपर, यदि वे सम्यक् रूप से संपरीक्षित नहीं हैं (लाभ हानियों में)

वायित्व को को आस्तियाँ को को

क. समावृत्त पूंजी :

ख. नियत आस्तियाँ :

ख. आरक्षितियाँ

छ. चालू से भिन्न आस्तियाँ :

योग	योग					
ग. आवधिक दायित्व	ज. बालू प्राप्तिः					
घ. बालू दायित्वः	झ. अन्य					
ङ. अन्य	ञ. लाभ और हानि लेखा अभिलेखः					
(2) वह तारीख, जिसको कंपनी के निवेशक बोर्ड ने कंपनी के रुग्ण होने के बारे में राय कायम की।						
15. अन्तिम दो वर्षों के लिये नकद हानियां (अर्थात् अवधायन के पूर्व किन्तु व्याज प्रभारित करने के पश्चात् हानियां) :						
(1)को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लियेरुपये						
(2)को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लियेरुपये						
16. शुद्ध मालियत (रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम, 1985 में यथा परिभाषित) :						
(क) उच्चतम शुद्ध मालियत और वर्ष :						
(ख) अन्तिम वित्तीय वर्ष के अन्त में शुद्ध मालियत						
17. क्या बंद हो गई है या कार्य कर रही है :						
(प्रत्येक संयंत्र/एकक/डिवीजन की स्थिति विनिर्दिष्ट की जाये)						
18. व्यष्टिक बैंकों को शोध्य। (हानि ही की तारीख से संबंधित होता = ऋण और तारीख विनिर्दिष्ट की जानी चाहिये।						
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)
बैंक का नाम	कामकाज पूंजी सीमा रकम बकाया	कामकाज पूंजी सावधि ऋण	निधि में विनिर्दिष्ट व्याज	सावधि ऋण	कुल बकाया रकम	अनियमितता
मूल रकम		बकाया रकम		मूल रकम बकाया रकम		मूल रकम बकाया रकम

योग

19. सावधिक उधार देने वाली संस्थाओं को शोध्य
(लाख रुपयों में)

1. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
2. भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक
3. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
4. भारतीय औद्योगिक उधार और वित्तियान निगम
5. अन्य

योग

20. आस्थगित उधार, यदि कोई हो :

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
संस्था का नाम	रकम	बकाया	व्यतिक्रम
			मूलधन व्याज
21. विदेशी वित्तीय संस्थाएं/विदेशी सहयोगी			
(क)	(ख)	(ग)	(घ)
संस्था का नाम	रकम	बकाया	व्यतिक्रम
			मूलधन व्याज

22. कानूनी दायित्व :

अविप्य निधि बकाया कर्मकार शोध्य
उत्पाद शुल्क बकाया
विक्रय कर बकाया
विद्युत् शुल्क बकाया
अन्य

23. नियतकालिक निक्षेप :

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
रकम	बकाया	व्यतिक्रम	मूलधन व्याज
(1) जनता से			
(2) शोधरधारकों/निदेशकों से			
(3) अन्य से			

	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष
24. अन्तिम पांच वर्षों का कुल आय (प्रत्येक वर्ष के लिए पृथक् रूप में उद्घोषित की जाय)					
(i) उत्पादों का विधाय					
(ii) अन्य आय					
(iii) योग					
25. अन्तिम पांच वर्षों का कुल व्यय (प्रत्येक वर्ष के लिए पृथक् रूप में उद्घोषित किया जाय)					
(i) व्यय					
अवधायन का व्यय					
(ii) अवधायन					
(iii) योग					
26. अन्तिम पांच वर्षों का शुद्ध लाभ					
(प्रत्येक वर्ष के लिए अंक पृथक् रूप में उद्घोषित किए जाएंगे यदि अन्तिम सप्ताहिक अंक उपलब्ध न हों तो अन्तिम अंक उद्घोषित किए जाएंगे)					
(अन्तिम पांच वर्षों के तुलनपत्र और लाभ और हानि लेखा में से प्रत्येक का प्रति संलग्न की जाए)					
27. विनिर्माण संबंधी क्रियाकलाप					
(क) क्या निर्माण या पारी प्रवर्धित					
(ख) साधारणतया कार्य करने वाली पारियों की संख्या					
(ग) माग में विशिष्टों की संख्या					
28. वार्षिक प्रतिष्ठापित क्षमता					
उत्पादों के नाम	अक्षर				
(क)					
(ख)					
(ग)					
29. पूर्व उत्पादन जिसके अन्तर्गत अन्तिम पांच वर्षों के दौरान उत्पाद भी है।					
उत्पाद का उत्पाद का नाम	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष
(क) मात्रा					
(ख) मूल्य					
30. अन्तिम पांच वर्षों के दौरान भौतिक क्षमता का उपयोग, मासपी और अन्य बातें (अंक वर्ष की समाप्ति पर स्थिति में संबंधित हैं)					
(क) सतुलन-स्तर बिन्दु					
(ख) शीतल सतुलन-स्तर बिन्दु					
(ग) भौतिक क्षमता के उपयोग का प्रतिशत					
(घ) उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में मासपी की लागत					
(ङ) उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में श्रम लागत					
(च) कुल उपलब्ध समय की प्रतिशतता के रूप में कुल अवधान समय					
(छ) प्रचालन लागत में व्यय लागत					
31. अन्तिम पांच वर्षों के दौरान कामकाज पूर्ण और इमका बिना रोग					
(अंक वर्ष की समाप्ति पर स्थिति में संबंधित हैं)					
(क) कुल कामकाज पूर्ण	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष	वर्ष
(ख) उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में कामकाज पूर्ण					

(ग) निम्नलिखित द्वारा वित्त-पोषित कामकाज पूंजी :

- (i) आन्तरिक ऋण
- (ii) उधार ली गई निधि
- (iii) अन्यान्य लेनदार

32. अंतिम पांच वर्ष में से प्रत्येक की समाप्ति पर अलग-अलग सूचा :

- (क) कच्ची सामग्री
- (ख) मण्डार और अतिरिक्त पुर्त
- (ग) बचत रक्का कार्य
- (घ) परिसाधित उत्पाद
- (ङ) अन्यान्य ऋणी

वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष

33. अंतिम पांच वर्षों में से प्रत्येक की समाप्ति पर निधि की स्थिति :

- (क) हाथ नकदी
- (ख) बैंक नकदी
- (ग) उपयोजित नकद प्रत्यय
- (घ) नकद ओवर ड्राफ्ट सीमा

वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष

34. अंतिम वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर आदेश की स्थिति :

- (क) हस्तगत आदेश
- (ख) आदेश जो पट्टेबन्धने वाले हैं
- (ग) आदेश जिनके लिए प्रयास किया गया किन्तु इन्कार कर दिया गया

35. नियोजित कर्मचारिबन्ध या श्रमिक

प्रधान कार्यालय कारखाना गोश

- (क) प्रबन्धकीय
- (ख) प्रत्यक्षकीय-तकनीकी
- गैर-तकनीकी
- (ग) लिपिकीय
- (घ) श्रमिक- -
- कुशल
- अश्व-कुशल
- अकुशल
- (ङ) अन्य प्रवर्ग

36. इतिला देने वाले के अनुसार रुग्णता के कारण :

- (क) प्रबन्धकीय समस्याएँ
- (ख) उत्पादन विषयक और तकनीकी समस्याएँ
- (ग) विपणन संबंधी कठिनाइयाँ
- (घ) वित्तीय समस्याएँ
- (ङ) पर्याप्त अवसर-रचना की कमी
- (च) अन्य कारण

37. (i) क्या मुक्तिपूर्वक समय के भीतर शुद्ध मालियत की वृद्धि सूचक बनाना संभव है;

- (ii) यदि ऐसा है तो उस प्रयोजन के लिए का जाने वाली अतिरिक्त कार्यवाही उपस्थित करते हुए पृथक् रूप में एक टिप्पण प्रस्तुत करें।
टिप्पण में अन्य बातों के साथ-साथ क्षमता का उपयोग, कुशलता के सांख्यिक बटक और सभी प्रकार के माल को कम करने, देनदारों की संख्या घटाने, आदेशों में वृद्धि करने, हानियों को कम करने, नकदी की स्थिति में सुधार लाने के लिए उठाए गए कदमों का और अन्य मुक्तता उपायों का आधिकारिक ब्यौरा होना चाहिए।

(iii) प्रस्तावित आधुनिकीकरण या पुनर्रचना के लिए अतिरिक्त सहायता

- (iv) क्या किसी लेनदार द्वारा पहले से ही कोई विधिक कार्यवाई आरम्भ की गई है/क्या पहले से ही गहन उपक्रम घोषित किया गया है।

38. कोई अन्य जानकारी जो सुसंगत या लाभदायक समझी जाए:

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दी गई विविष्टियाँ और जानकारी अभिवेदों में प्राप्त जानकारी पर आधारित है और विज्ञान किया जाता है कि सत्य है।

इतिहा देने वाले के हस्ताक्षर

तदनुसार कंपनी, हण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की धारा 3 की उपाधारा (1) के खंड (ग) के अन्तर्गत एक हण औद्योगिक कंपनी हो गई है:

कंपनी के निदेशक बोर्ड का और से और उस निमित्त समझ का से प्राधिकृत, मैं अधिनियम की धारा 15 की उपाधारा (1) के अधीन निर्देश करता हूँ और उपाधारा के, जो कंपनी के बारे में प्रमाणित किए जाते, असाधारण के लिए औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड में अनुरोध करता हूँ।

इतिहा देने वाले के हस्ताक्षर

तारीख:

स्थान:

सेवा में,

सचिव,

औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड,

नई दिल्ली

प्ररूप--ख

(कृपया विनियम 19 देखें)

टिप्पण: नीचे दी गई विविष्टियाँ प्रद्यनन स्थिति बताएंगी जब तक कि प्रस्तावनी में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

1. इतिहा देने वाले का नाम और पता।

2. औद्योगिक कंपनी का नाम और पता

(क) प्रधान कार्यालय

(ख) कारखाना या कारखाने

3. (क) कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन कारखाने का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और तारीख और वह राज्य जितमें रजिस्ट्रीकृत है।

(ख) कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कंपनी का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और तारीख और वह राज्य जितमें रजिस्ट्रीकृत है।

(ग) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन अनुसूचित उद्योग जिससे विनिर्मित या प्रस्तावित वस्तुएं संबधित हैं।

(घ) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन रजिस्ट्रीकरण का प्राप्ति का संख्यांक और तारीख, यदि कंपनी तकनीकी विकास महानिदेशालय के पास रजिस्ट्रीकृत है तो तकनीकी विभाग महानिदेशालय के पास रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और तारीख भी उपदर्शित की जानी चाहिए।

(ङ) क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (कक) के अन्तर्गत आनुवंशिक औद्योगिक उपक्रम है

हां/नहीं

(च) क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (ज) में यथा परिभाषित लघु उद्योग उपक्रम है

हां/नहीं

4. (क) संप्रवर्तक का नाम और पता

(ख) शेयरधारण पद्धति:

(1) संप्रवर्तक

(2) सहयोगी

(3) लोक

(4) लोक वित्तीय संस्था

(5) राज्य स्तर की संस्था

(ग) सबसे बड़े 10 शेयर धारकों के व्योरे

5. सेक्टर : प्राइवेट/संयुक्त

6. निदेशकों के नाम:

(निम्नलिखित उपदर्शित करें: क. अध्यक्ष ख. पूर्णकालिक निदेशक जिनके अन्तर्गत प्रबन्ध निदेशक भी है, ग. नामनिर्देशित निदेशक)

7. (क) मुख्य कारखाने क्रियाकलाप

(ख) अन्य समन्वयणी कारखाने क्रियाकलाप

8. क्या एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम के अन्तर्गत जाने वाली कंपनी है

हां/नहीं

9. क्या विशेषी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली कंपनी है

हां/नहीं

10. वित्तीय स्थिति (दा अन्तिम लेखापरीक्षित तुलनपत्रों के अनुसार) :

(लाख रुपयों में)

दायित्व की की आस्तियां की की

क. समावृत्त पूंजी

अ. नियत आस्तियां

ख. आरक्षितियां

ब. चालू से भिन्न आस्तियां

ग. आर्वाधिक दायित्व

ज. चालू आस्तियां

घ. चालू दायित्व

झ. अन्य

ङ. अन्य

ञ. लाभ और हानि लेखा अतिशेष

योग

योग

11. अन्तिम दो वर्षों के लिए नकद हानियां (अर्थात् अवक्षेपण के पूर्व किन्तु व्याज प्रसारित करने के पश्चात् हानियां) :

(1) की समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए रुपए

(2) की समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए रुपए

12. शुद्ध मालियत (कण प्रौद्योगिक कंपनी) (विशेष उद्बन्ध) अधिनियम, 1985 में यथा परिभाषित) :

(क) उच्चतम शुद्ध मालियत और वर्ष :

(ख) अन्तिम वित्तीय वर्ष के अन्त में शुद्ध मालियत

13. क्या बंद हो गई है या कार्य कर रही है :

(प्रत्येक संयुक्त/एकक/डिवीजन की स्थिति विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए)

14. प्यब्लिक बैंकों को शोध्य : (हाल ही की शीर्षक से संबंधित होना चाहिए और शीर्षक विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए) ।

(ब)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(ज)	(झ)
बैंक का नाम	कामकाज पूंजी सीमा रकम बकाया	कामकाज पूंजी मावयि श्रेण	निधि में विनिर्दिष्ट व्याज	मावधि श्रेण	कुल बकाया रकम	अतिरिक्तता
		मूल रकम	बकाया रकम	मूल रकम	बकाया रकम	मूल रकम बकाया रकम

योग

15. मावधिक उधार देने वाली संस्थाओं को शोध्य :

(लाख रुपयों में)

संस्था का नाम	मूल रकम	बकाया	व्यतिक्रम
		मूल धन	व्याज

1. भारतीय प्रौद्योगिक विकास बैंक

2. भारतीय प्रौद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक

3. भारतीय प्रौद्योगिक वित्त निगम

4. भारतीय प्रौद्योगिक उधार और वित्तियन निगम

5. अन्य

योग :

16. उत्पत्ति देने वाले के अनुसार रणना के कारण :

(क) प्रबंधकीय समस्याएं

(ख) उत्पादन विषयक और तकनीकी समस्याएं

(ग) विपणन संबंधी कठिनाइयां

(घ) वित्तीय समस्याएं

(ङ) पर्याप्त अवसररचना की कमी

(ज) अन्य कारण

17. पुनर्धार के लिए किए गए या अनुध्यात उपाय

18. कोई अन्य जानकारी जो सुसंगत या लाभदायक समझी जाए :

मे पदद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उपर दी गई विनिश्चिष्टता और जानकारी अभिलेखों में प्राप्त जानकारी पर आधारित है और विश्वास किया जाता है कि सत्य है।

इसका देने वाले के हस्ताक्षर

यदनुसार कंपनी, स्वयं औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ण) के अर्थान्तर्गत एक स्वयं कंपनी हो गई है, की ओर से और सम्यक रूप में प्राधिकृत, मैं अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (2) के अधीन उन उपायों के, जो कंपनी के बारे में अंग्रेजों के लिए आगम, अवधारण के लिए औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को निर्देश करना है।

इसका देने वाले के हस्ताक्षर

तारीख

स्थान

सेवा में,

मन्त्रि,

औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड,

नई दिल्ली

प्रारूप—ग

रिपोर्ट

(कंपनी अधिनियम 30 देखें)

टिप्पणी: नांव दी गई विनिश्चिष्टता अद्यतन स्थिति बधाएगी जब तक कि प्रस्तावना में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

1 औद्योगिक कंपनी का नाम और पता

(क) प्रधान कार्यालय

(ख) कारखाना या कारखाने

2. (क) कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन कारखाने का रजिस्ट्रेशन संख्यांक और तारीख और वह राज्य जिसमें रजिस्ट्रेशन है।

(ख) कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन कंपनी का रजिस्ट्रेशन संख्यांक और तारीख और वह राज्य जिसमें रजिस्ट्रेशन है।

(ग) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन अनुसूचित उद्योग जिससे विनियमित या प्रस्तावित वस्तु संबंधित है।

(घ) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन रजिस्ट्रेशन या अनुसूचित कामकाज और तारीख, यदि कंपनी तकनीकी विकास महानिदेशालय के पास रजिस्ट्रेशन है तो तकनीकी विकास महानिदेशालय के पास रजिस्ट्रेशन का संख्यांक और तारीख भी उपरलिखित की जानी चाहिए।

(ङ) क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (कक) के अर्थान्तर्गत आनुवंशिक औद्योगिक उपक्रम है

हां/नहीं

(च) क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 3 के खंड (ज) में यथा परिभाषित लघु उद्योग उपक्रम है

हां/नहीं

3 (क) संप्रबन्धक का नाम और पता

(ख) नियंत्रण पद्धति

(i) संप्रबन्धक

(ii) महसूब

(iii) लोक

(iv) लोक विनियम संस्था

(v) राज्य स्तर की संस्था

(ग) सबसे बड़े 10 शेयर धारकों के पते

1 शेयरधारक का पता

5. निदेशकों के नाम

(नमूनेलिखित उपरलिखित के अलावा अध्यक्ष और प्रशासक निदेशकों/अनके अन्यतम प्रबंध निदेशक भी हैं, य. नमानिर्वाहक (निर्देशक)

6 (क) मुख्य कार्यवाह/प्रशासक

(ख) अन्य समस्त कार्यवाह/प्रशासक

7. क्या एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली कंपनी है हां/नहीं
8. क्या विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली कंपनी है हां/नहीं
9. वित्तीय स्थिति (दो अन्तिम लेखापरीक्षित तुल्यवर्षों के अंत मार)

(लाख रुपये में)

वायित्व	का	का आस्तियां	का
अ. समादत्त पूंजी			अ. निवृत्त आस्तियां
ब. आरक्षितियां			ब. चालू में किए आस्तियां
ग. आवधिक वायित्व			ग. चालू आस्तियां
घ. चालू वायित्व			घ. अन्य
ङ. अन्य			ङ. लास और क्षति लेखा अतिशेष

योग

योग

10. अन्तिम दो वर्षों के लिए नकद हानियां (अर्थात् अवश्रयण के पूर्व किन्तु ब्याज प्रभारित करने के पश्चात् हानियां) :

(1) का समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए रूप

(2) का समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए रूप

11. शुद्ध मालियन (सूचना अधिनियम, 1985 में यथा परिभाषित)

(क) उच्चतम शुद्ध मालियन और वर्ष

(ख) अन्तिम वित्तीय वर्ष के अंत में शुद्ध मालियन

12. क्या खंड हो गई है या कार्य कर रही है

(प्रत्येक संयंत्र/एकक/ट्रिब्यून को स्थिति विनिर्दिष्ट की जाए)

13. व्यष्टिक बैंकों का शोध (हाल ही की तारीख से संबंधित होता चाहिए और तारीख विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए) :

(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)
बैंक का नाम	कामकाज पूंजी सीमा रकम बकाया	कामकाज पूंजी आवधि ऋण	निधि में विनिर्दिष्ट व्यय	आवधि ऋण	कुल बकाया रकम	अनियमितता
	मूल रकम	बकाया रकम	मूल रकम	बकाया रकम	मूल रकम	बकाया रकम

योग

14. आवधिक उधार देने वाली संस्थाओं की शोध :

(लाख रुपये में)

संस्था का नाम	मूल रकम	बकाया	व्यतिक्रम
	मूल धन	व्याज	मूल धन
			व्याज

1. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
2. भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक
3. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
4. भारतीय औद्योगिक उधार और वित्तियन निगम
5. अन्य

योग

15. संशोधन क्षमता के कारण :

- (क) प्रबंधकीय समस्याएं
- (ख) उत्पादन विषयक और तकनीकी समस्याएं
- (ग) विपणन संबंधी कठिनाइयां
- (घ) वित्तीय समस्याएं
- (ङ) पर्याप्त अवसरचना की कमी
- (च) अन्य कारण

17. सुसंगत वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के सम्पद रूप में संपरीक्षित लेखाओं की प्रतिम रूप देने की तारीख (अर्थात् कंपनी की वार्षिक साधारण सभा की तारीख जिसमें कंपनी के सम्पद रूप में संपरीक्षित वार्षिक लेखे उस वित्तीय वर्ष के लिए जिसके अंत में शुद्ध मालियन को पूर्ववर्ती पांच वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम शुद्ध मालियन के 50% या उससे कम हो गई अनुमोदित किए गए थे) :

18. वह तारीख जिसको शज़ माजियम के ह्रास पर विचार करने के प्रयोजन के लिए कंपनी के मेयरधारकों की साधारण सभा बुलाने का प्रस्ताव किया गया है।

19. कोई अन्य जानकारी जो सुसंगत या आवश्यक समझी जाए

जो पदद्वारा प्रमाणित करता है कि उपर दी गई विनिर्दिष्ट और जानकारी अधिनियमों में प्राप्त जानकारी पर आधारित है और विश्वास किया जाना है कि सत्य है।

उत्तराक्षर

रिपोर्ट करने वाली कंपनी के निमित्त और उसकी ओर से प्राधिकृत अधिकारी का नाम और पदनाम

तारीख
स्थान

मेवा से.

गन्धिव.

औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड.

नई दिल्ली

BOARD FOR INDUSTRIAL AND FINANCIAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 27th April, 1987

NOTIFICATION

No. 2 (4)|BIFR/86.—In exercise of the powers conferred on it by section 13 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986) and all other powers enabling it in this behalf, the Board for Industrial and Financial Reconstruction hereby makes the following regulations, namely :

CHAPTER I

GENERAL

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called, the Board for Industrial and Financial Reconstruction Regulations, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Interpretation.—(1) The General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) shall apply to the interpretation of these regulations:

(2) Words and expressions used but not defined in these regulations, in the Act, in the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) shall have the meanings, if any, respectively assigned to them in the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897).

3. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986);

(b) "Board" means the Board for Industrial and Financial Reconstruction established under section 4 and includes, where the context so requires, a Bench exercising the jurisdiction, powers and authority of the Board;

(c) "Bench" means a Bench of the Board constituted under sub-section (2) of section 12:

(d) "Chairman" means the Chairman of the Board appointed under section 4;

(e) "informant" means the person making a reference to the Board on behalf of the sick industrial company under sub-section (1) of section 15 or on behalf of the Central Government, the Reserve Bank, a State Government, a public financial institution, a State-level institution, or as the case may be, a scheduled bank under sub-section (2) of section 15;

(f) "Member" means a Member of the Board:

(g) "Operating agency" means any public financial institution, as may be specified by general or special order, as its agency, by the Board;

(h) "Persons interested" includes a sick industrial company, a transferee industrial company within the meaning of clause (c) of sub-section (1) of section 18, any other industrial company concerned in the amalgamation, any shareholder, any creditor or employee of such industrial companies;

(i) "Registrar" means an officer appointed by the Chairman as the Registrar and includes any officer to whom powers and functions of the Registrar have been entrusted by the Secretary and such other person who is for the time being discharging the functions of the Registrar;

(j) Reference to "Court", while applying the provisions of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), shall be understood to refer to the Board and similarly reference to "Plaintiff" or "Defendent" shall be understood to refer to appropriate parties before the Board;

(k) Reference to "suits or petitions", while applying the provisions of the Code of Civil Procedure 1908 (5 of 1908), shall be understood to refer to appropriate proceedings under the Act;

(l) "Secretary" means a Secretary to the Board appointed by the Central Government under sub-section (1) of section 8.

(m) "Section" means a section of the Act.

BOARD'S OFFICE

4. (1) The Central Office of the Board shall be at Delhi.

(2) The Central Office of the Board shall be open at such times, as the Chairman may direct.

LANGUAGE OF THE BOARD

5. The proceedings of the Board shall be conducted in English or Hindi.

6. No reference, application, representation, document or other matter contained in any language other than English or Hindi shall be accepted by the Board, unless the same is accompanied by a true translation thereof in English or Hindi.

FILING OF REFERENCES, LETTERS, ETC.

7. All references, letters, replies, rejoinders, documents or papers required to be filed before or submitted to the Board shall be written, or as the case may be, typewritten, cyclostyled or printed neatly, and legibly on one side of the foolscap size paper, in double space, provided that true copies of documents prepared by any other mechanical or chemical process, including photocopying may be filed or submitted.

HOLIDAY

8. Where the last day for doing any act falls on a day on which the office of the Board is closed and by reason thereof, the act cannot be done on that day, it may be done on the next day on which that office is open.

ADJOURNMENTS

9. The Board may, if sufficient cause is shown, at any stage of any inquiry or proceeding, grant time to the parties or to any of them and may from time to time adjourn the inquiry or hearing of the proceedings.

EX-PARTE PROCEEDINGS

10. Where on the day fixed for hearing, any of the parties does not appear, the proceedings, unless adjourned by the Board, shall continue in the absence of the party not so appearing.

EXTENSION OR ABRIDGEMENT OF TIME

11. Subject to the provisions of the Act, the time prescribed by these regulations or by an order of the Board, for doing any act :—

- (a) may be extended by an order of the Board (whether it has already expired or not) or;
- (b) may be abridged by an order of the Board, after giving notice to the concerned parties.

EFFECT OF NON-COMPLIANCE AND APPLICATION OF CODE OF CIVIL PROCEDURE

12. (1) Failure to comply with any requirement of these regulations shall not invalidate the proceeding merely by reason of such failure, unless the Board is of the view that such failure has resulted in miscarriage of justice;

(2) Subject to the provisions of sub-section (3) of section 13, where no specific provision has been made in these regulations, the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), to the extent as may be deemed expedient by the Board, shall apply to the proceeding.

SERVICE OF NOTICES OR OTHER DOCUMENTS

13. (1) Every notice or other document required to be served on or delivered to any person may be sent by registered post addressed to the person or his agent empowered to accept service at the address furnished by him for service or at the place where the person or his agent ordinarily resides or carries on business or personally works for gain, and every notice or other document required to be delivered to or filed with the Secretary, may be delivered at the office of the Board or sent by registered post to the Secretary at the office of the Board. An acknowledgement purporting to be signed by the person or the agent or an endorsement by a postal employee that the person or the agent has refused to take delivery may be deemed by the Board to be prima facie proof of service and section 27 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) shall apply.

(2) Any notice or other document required to be served on or delivered to a company may be sent to the Chairman, Managing Director, Secretary, Manager or other principal officer of the company at the registered office of the company, by registered post or by leaving it at its registered office.

(3) Every notice or other document required to be served on the Central Government or, as the case may be, the State Government, shall be addressed and sent to the Secretary of the appropriate Ministry or Department and shall be served in the manner specified in sub-regulation (1) of this regulation.

MEETINGS OF THE BOARD

14. (1) The Board may meet at such times and places, for conduct of its business, as it may think fit provided that in the absence of a decision of the Board to the contrary, the Chairman shall decide the time and place for the sittings of the Board.

(2) A minimum number of three Members personally present at a meeting of the Board shall be the quorum for that meeting of the Board.

(3) In the case of difference of opinion among the Members of the Board, the opinion of the majority of the Members present at the meeting shall prevail and orders of the Board shall be expressed in terms of the views of the majority. Any Member dissenting from the majority view may record his reasons separately. If the Members are evenly divided in their opinions, the Chairman shall have a second or casting vote.

(4) The proceedings of each meeting of the Board shall be signed and dated by the Chairman, or in his absence, by the Member presiding over the meeting as soon as may be, after the conclusion of the meeting and the proceedings so signed shall be conclusive evidence of the proceedings recorded therein.

Explanation :—This regulation shall not apply to a Bench, sitting as a Bench.

AUTHENTICATION AND COMMUNICATION OF ORDERS OF THE BOARD

15. (1) All orders and decisions of the Board shall be authenticated by the signature of the Chairman or any other Member, or the Secretary, or any other officer empowered in this behalf by the Chairman, and bear the official seal of the Board.

(2) Every order of the Board shall be communicated under the signature of the Secretary or any other officer of the Board duly empowered by the Secretary, in this behalf.

BENCHES

16. (1) Each Bench shall consist of not less than two Members. The Chairman of the Board shall by order constitute such number of Benches, as he may deem fit. The order, so made, shall specify the cases to be dealt with by the respective Benches, provided that the Chairman may constitute, as and when deemed fit, a Bench for dealing with a particular case or batch of cases. The Chairman may also transfer a case from one Bench to another.

(2) The places, at which the Benches shall sit, shall be such as the Chairman may, by order, specify.

(3) Subject to the other provisions of these regulations, every order made or act done by a Bench in exercise of its powers shall be deemed to be the order or act, as the case may be, of the Board.

(4) There shall be a separate official seal indicating that it is the seal of a Bench of the Board and such Bench shall be provided with a seal which shall also indicate the Bench to which it relates.

(5) Each such seal shall be kept under the custody of the Registrar and shall be used under his directions.

(6) Every order, communication, or notice issued or certified copy granted by any Bench shall be stamped with the seal of the Bench and shall be authenticated by the Registrar.

(7) The Registrar shall have the custody of the records of the Bench.

(8) The Registrar shall discharge such other functions, as are entrusted to him by the Secretary.

PUBLICATION OF ORDERS

17. Such of the orders of the Board, as are deemed fit for publication in any authoritative report or the Press, may be released for such publication on such terms and conditions, as the Chairman may specify.

POWER TO REMOVE DIFFICULTIES

18. If any difficulty arises in giving effect to any of the provisions of these regulations, the Board may, by general or special order, do anything, not being inconsistent with the provisions of the Act, which appears to it to be necessary or expedient for the purpose of removing the difficulty.

CHAPTER II

REFERENCES UNDER SECTION 15

19. (1) Every reference to the Board under sub-section (1) of section 15 shall be made in Form 'A' and shall be accompanied by ten further copies thereof.

(2) Every reference to the Board under sub-section (2) of section 15 shall be made in Form 'B' and shall be accompanied by ten further copies thereof.

(3) A reference may be filed, either by delivering it at the office of the Board or by sending it by registered post.

(4) On receipt of a reference, the Secretary, or as the case may be, the Registrar shall endorse on each reference, the date on which it is filed or received in the office of the Board and shall sign the endorsement.

(5) If on scrutiny, the reference is found to be defective and the defect noticed is formal in character, the Secretary, or as the case may be, the Registrar, may allow the concerned informant to rectify the defect, within such time, as he may deem reasonable.

(6) If, on scrutiny, the reference is found to be in order, it shall be duly registered, assigned a serial number and put up before the concerned Bench.

(7) If the informant fails to rectify the defect within the time allowed under sub-regulation (5), the Secretary, or as the case may be, the Registrar, may, by order decline to register the reference. The reference, so declined to be registered, shall be deemed not to have been made.

(8) (1) An appeal against the order of the Registrar declining to register a reference shall be made by the aggrieved person to the Secretary within fifteen days of communication to him of such an order.

(2) An appeal against the order of the Secretary declining to register a reference shall be made by the aggrieved person to the Chairman within fifteen days of communication to him of such an order and the Chairman's decision thereon shall be final.

CHAPTER III

GENERAL PROVISIONS REGARDING ENQUIRIES

20. (1) The Board or, as the case may be, the operating agency, may call for such additional information as it considers necessary in connection with any enquiry or investigations under the Act or any of these regulations from the informant or any authority, public financial or other institution, or any other person.

(2) The Board may address communications to the informant, to the sick industrial company, if it is not the informant the concerned Government Department, the operating agency and such other authorities, institutions or persons, as considered appropriate, calling for such other particulars and information, as in the opinion of the Board, may be relevant to the matters under consideration by the Board. The replies to such communications of the Board shall be submitted by the addressees, in quadruplicate.

(3) The Board may call the informant, the Board of Directors of the industrial company, or their authorised representative, if any, any Government official or any other person for such discussion, as it may consider necessary, in connection with the matters under consideration.

(4) The Board may visit any establishment, including that of the informant, as it may consider necessary and hold discussions with the representative of the informant, if in the opinion of the Board, such visits and discussions may be expedient in the interest of proper determination of matters under consideration.

(5) The Board may depute such of its officers and staff to such places to meet such persons, as it may deem appropriate, for investigating and discussing matters under its consideration and call for reports from them.

(6) The informant, the concerned industrial company when it is not the informant, and other interested persons, who have sent their comments or suggestions to the Board, and expressed the desire that they would like to be heard and whom the Board may determine to hear shall be intimated about the date of hearing. The persons who have sent their comments or suggestions and intimation that they would like to participate in the hearing shall file with the Board, not less than 10 days before the date of hearing, a written statement containing the gist of the submissions that they would like to make at the hearing.

(7) Where there are a large number of persons having common interest, the persons having common interest may select one or more persons for appearing in the proceedings on their behalf or for their benefit :

Provided that intimation in this regard shall be sent to the Board within the time prescribed in sub-regulation (1) of this regulation.

(8) The Board shall hear the persons to whom an intimation of hearing has been sent and present themselves for hearing.

(9) In the proceedings before the Board, the informant or the operating agency shall be entitled to be represented by such officer or officers as it may depute. The other persons concerned may either be heard by themselves or be represented by a legal practitioner, specially authorised by them to act on their behalf.

CHAPTER IV

INQUIRY UNDER SECTION 16

21. Upon a reference with respect to an industrial company under section 15 or upon information received with respect to such company, or upon its own knowledge as to the financial condition of the company, the Board may—

- (a) itself make such inquiry, as it may deem fit, for determining whether the industrial company has become a sick industrial company ; or
- (b) if it deems necessary or expedient so to do, for the expeditious disposal of inquiry mentioned at (a) above, direct by an order, an

operating agency, to be specified in the order, to enquire into and make a report with respect to such matters, as may be specified in the order :

Provided that reasonable opportunity for making submissions shall be given by the Board to the informant, and to the concerned industrial company, if it is not the informant, before deciding whether the said company has become a sick industrial company or not.

22. Where the Board, after considering the report submitted by the operating agency and report thereon, if any, of the Secretary submitted in pursuance of an order made by the Board or the Chairman or in accordance with the rules made under the Act, is of the opinion that the report of the operating agency is not complete with respect to any of the matters referred to it for inquiry by the Board, the Board may direct the operating agency to make such further inquiry, as it may deem necessary and submit a further report to the Board.

23. The operating agency shall complete its inquiry, as expeditiously as possible, and make endeavour so to do, within sixty days of the commencement of the inquiry.

24. Where the Board after completion of its inquiry or after considering the report, or as the case may be, the further report of the operating agency, is satisfied that no case exists for coming to the conclusion that the industrial company has become a sick industrial company, it shall drop further proceedings in the reference.

25. Where the Board after completing its enquiry, or after considering the report or as the case may be, the further report of the operating agency is satisfied that the industrial company has become a sick industrial company, it shall hold further proceedings in accordance with the procedure prescribed in these regulations.

CHAPTER V

PROCEEDINGS UNDER SECTION 17

26. The Board shall after giving to the informant and to the sick industrial company, if it is not the informant, a reasonable opportunity of making their submissions, pass such order as deemed fit under sub-sections (1), (2), (3) or (4) of section 17.

PROCEDURE FOR PREPARATION AND SANCTION OF SCHEME UNDER SECTION 18

27. On receipt of an order of the Board in terms of sub-section (3) of section 17 of the Act, in relation to a sick industrial company, the specified operating agency shall prepare a scheme, having regard to the guidelines specified in the said order, within the time prescribed under sub-section (1) and in terms of sub-sections (1) and (2) of section 18 :

Provided that the Board may at the request of the concerned operating agency and on sufficient cause being shown, suitably extend the time for submission of the scheme,

28. The Board, after considering the scheme prepared by the operating agency and report thereon, if any, of the Secretary, submitted in pursuance of an order made by the Board, on the point as to whether the scheme has been prepared in accordance with the guidelines specified in the order of the Board made under sub-section (3) of section 17 shall prepare a Draft Scheme and cause a copy of the same to be sent to the sick industrial company and the operating agency :

Provided that in case the said scheme envisages amalgamation of the sick industrial company with another industrial company, a copy thereof, shall also be sent to the transferee industrial company and any other industrial company concerned in the amalgamation, for suggestions and objections, if any. The suggestions and objections, if any, shall be furnished to the Board within such time, as may be specified by the Board :

Provided that the Board may, at the request of the concerned party and on sufficient cause being shown, suitably extend time for submission of suggestions and objections.

29. The Board shall publish or cause to be published short particulars concerning the Draft Scheme, by way of notification, in such daily newspapers and periodicals, as it may consider necessary, inviting suggestions and objections regarding the Draft Scheme, within such time, as may be mentioned in the notification, from the shareholders, creditors and employees of the sick industrial company, the transferee industrial company as well as any other industrial company concerned in the amalgamation.

30. The Board shall consider the suggestions and objections received from the sick industrial company, the operating agency or, as the case may be, from the transferee industrial company and any other industrial company concerned in amalgamation and from any shareholder, creditor, or employee, of such industrial companies.

31. Where the Draft Scheme envisages amalgamation of the sick industrial company with another industrial company, the Board shall not proceed with the scheme, unless the Board of Directors of the transferee industrial company shall have placed the Draft Scheme before the transferee industrial company, in the General Meeting of its shareholders and the shareholders shall have approved the Draft Scheme, with or without modification, by a special resolution.

32. The Board may, thereafter, by order in writing sanction the scheme, with or without any modification, in terms of sub-section (4) of section 18.

33. For modification of the sanctioned scheme or preparation of a fresh scheme in pursuance of the order of the Board under sub-section (5) of section 18, the procedure prescribed in regulations 28, 29, 30, 31 and 32 of these regulations shall, as far as may be, be followed, as it applies to a scheme prepared under regulation 28.

CHAPTER VII

PROCEDURE FOR SANCTIONING SCHEMES UNDER SECTION 19

34. A scheme under sub-section (1) of section 19, which provides for financial assistance to the sick industrial company by way of loans, advances, guarantees, reliefs, concessions or sacrifices from the Central Government, a State Government, any scheduled or other Bank, a public financial institution or State level institution, or any institution or other authority shall be sanctioned by the Board, with the consent of the Government, bank, institutions or other authorities called upon to provide loans, advances, guarantees, reliefs, concessions or sacrifices.

(2) The Board shall cause the scheme to be circulated to every person required by the scheme, to provide financial assistance by way of loans, advances, guarantees, reliefs, concessions or sacrifices for giving his consent, latest, within a period of sixty days from the date of such circulation.

(3) Upon receipt of consent from every person in terms of sub-regulation (2), the Board may, as soon as may be, sanction the scheme, which shall be binding on all concerned on and from the date of such sanction.

35. Where consent under sub-section (2) of section 19 is not given by any person required by the scheme to provide loans, advances, guarantees, reliefs, concessions or sacrifices, with respect to the sick industrial company, the Board may adopt such other measures, including winding up of the industrial company, as it may deem fit.

CHAPTER VIII

REPORT UNDER SECTION 23

36. Every industrial company required under section 23 to report the erosion of its net worth shall do so in Form 'C'.

CHAPTER IX

RESTRICTION ON DISCLOSURE OF INFORMATION

37. No Member, officer or employee of the Board shall disclose any information obtained, or received by him or otherwise in his possession, being an information relating to the affairs of the Board or relating to an industrial company or industrial undertaking concerned in any proceedings before the Board, except to persons legally entitled thereto.

INSPECTION AND COPIES OF DOCUMENTS ETC.

38. (1) A party to any proceeding before the Board may, subject to regulation 37 of these regulations, on an application made by him in that behalf addressed to the Secretary, be allowed, during office hours, to inspect or get copies of records, including documents in the proceedings, on payment of the fees and charges, as prescribed by these regulations.

(2) The Secretary may, subject to the provisions of regulation 37, on the application of a person, who is not a party to the proceedings, on good cause shown, allow such inspection or to obtain such copies,

as are mentioned in the last preceding sub-regulation, on payment of the fees|charges, as prescribed by these regulations.

(3) An inspection shall be allowed only in the presence of an officer of the Board and copies of documents etc., shall not be allowed to be taken, but notes of inspection may be taken.

(4) Copying charges shall be worked out at the rate of Rs. 5 for a folio or part thereof, of material not involving typing of statements and figures and at the rate of Rs. 10 per folio or part thereof, involving typing of statements or figures. Fees for inspection shall be worked out at the rate of Rs. 20 per hour of inspection.

(5) Every duly authorised officer of the Central Government, a State Government or a person duly authorised by a public financial institution, State level institution, the Reserve Bank or, as the case may be, a scheduled bank shall be entitled, on authorisation by the Secretary, at all reasonable times, to inspect the file of the proceedings before the Board and to take copies or extracts from any document therein and to be furnished such copies or extracts.

INVESTIGATIONS ETC. BY OFFICERS OF THE BOARD

39. The Board may, at any time, direct the Secretary, or any one or more of its officers to study, investigate, and report or furnish information with respect to any matters under consideration by the Board in relation to their functions under the Act. The Board may, for this purpose give such other directions, as it may deem fit, and specify time within which the report is to be submitted or information furnished. If any such report or information appears to the Board to be insufficient or inadequate, the

Board may give directions for giving a further report or information :

Provided that, if the report or information so obtained or any part thereof is brought on record of any inquiry and is proposed to be relied upon by the Board, for forming its opinion or view, the party or parties to the enquiry, shall be given a reasonable opportunity for making his or their submissions with respect thereto.

ASSISTANCE TO THE BOARD

40. The Board may, at any time, take the assistance of public financial institutions, banks, or other institutions, consultants, experts, chartered accountants, a surveyors and such other technical and professional persons, as it may consider necessary and ask them to submit report or reports or furnish any information :

Provided that, if the report or information so obtained or any part thereof is brought on record of any inquiry and is proposed to be relied upon by the Board for forming its opinion or view, the party or parties to the inquiry shall be given a reasonable opportunity of making his or their submissions with respect thereto.

41. Nothing in these regulations shall bar the Board from adopting, in conformity with the provisions of the Act, a procedure, which is at variance with any of the provisions of these regulations, if the Board, in view of the special circumstances of a case or a class of cases and for reasons to be recorded in writing, deems it necessary or expedient for dealing with such a case or class of cases.

[No. 2(4)/BIFR/86]
S. C. TRIPATHI, Secy.

FORM--A

(Please see Regulation 19)

Note : Particulars given below shall give the position as on the date unless otherwise directed in the questionnaire.

1. Name and address of the informant.
2. Name of the Industrial Company.
Address :
(a) Head Office.
(b) Factory or Factories.
3. (a) Number and date of registration of the factory under the Factories Act, 1948 and the State in which registered.
(b) Number and date of registration of the company under the Companies Act, 1956 and the State in which registered.
(c) The scheduled industry or industries under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 to which the articles manufactured or proposed relate.
(d) Number and date of registration or licence under Industries (Development & Regulation) Act, 1951 in case the company is registered with DGTD, the number and date of registration with DGTD should also be indicated.
(e) Whether ancillary industrial undertaking within the meaning of clause (aa) of Section 3 of Industries (Development & Regulation) Act, 1951. Yes/No
(f) Whether a small scale industrial undertaking as defined in clause Yes/No

(i) of Section 3 of Industries (Development & Regulation) Act, 1951.

4. (a) Name of the promoters and their addresses.

(b) Share holding pattern :

(i) Promoters

(ii) Associates

(iii) Public

(iv) Public Financial Institutions.

(v) State level Institution.

(c) Details of 10 largest shareholders.

5. Sector : Private/Joint

6. (a) Name of Directors :

(Indicating A. Chairman B. Whole time Directors including Managing Director C. Nominee Directors)

(b) Name of Chief Executive by whatever name called :

7. (a) Main line of business activity.

(b) Other subsidiary business activity.

8. Whether MRTP Company

Yes/No

9. Whether FERA Company

Yes/No

10. Whether subsidiary of another company :

(i) If so, the name of the holding company and its complete address

11. Capital structure :

Number

Value

Total

(i) Authorised Capital

Preference Share

Ordinary Share

Deferred Share

Any other Class of Shares :

(ii) Issued Capital

Preference Shares

Ordinary Shares

Deferred Shares

Any other Class of Shares :

(iii) Paid up Capital

Preference Shares

Ordinary Shares

Deferred Shares

Any other Class of Shares :

12. Reserve & Surplus :

(i) Free Reserve (in terms of Section 3(1)(a)(iii) of the Sick Industrial Companies (Special Provisions), Act, 1985

(ii) Other Reserves

(iii) Accumulated Losses

(iv) Total

13. (i) Financial position (As per the last two audited Balance Sheets) :

(Rs in lakhs)

Liabilities

As on..... As on.....

A Paid up capital

B Reserves :

C Terms Liabilities :

D Current Liabilities :

E Others :

Assets

As on..... As on.....

F Fixed Assets :

G Non current Assets :

H Current Assets :

I Others :

J P & L A/c Bal :

Total :

Total :

(ii) Date of finalisation of duly audited accounts of the company for the relevant financial year (i.e. date of Annual General Meeting of the company where at duly audited annual accounts of the company were approved for the financial year at the end of which net worth became zero or less)

14. (i) Financial position as per the provisional balance sheets for the last two years in case they have not been duly audited (Rs. in lakhs)

Liabilities	As on.....	As on.....	Assets	As on.....	As on.....
A Paid up capital :			F Fixed Assets :		
B Reserves :			G Non current Assets :		
C Terms Liabilities :			H Current Assets :		
D Current Liabilities :			I Others :		
E Others :			J P & L A/c Bal :		
Total :			Total :		

- (ii) Date on which Board of Directors of the company formed opinion about the company having become sick.

15. Cash losses (i.e. before Depreciation but after charging interest) for the last two years :
- (1) Rs. for the Financial year ended.....
- (2) Rs. for the Financial year ended.....
16. Net worth (as defined in the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 :
- (a) Peak net worth and the year :
- (b) Net worth at the end of last financial year :
17. Whether closed or working :
- (Position of each plant/Unit/Division to be specified)
18. Dues to Individual Banks : (should relate to a recent date to be specified).

(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)	(g)
Name of Bank	Working capital limit outstanding amount	Working Capital Term Loan	Funded Interest	Term Loans	Total outstanding amount	Irregularity
		Original amount Outstanding amount	Original amount Outstanding amount	Original amount Outstanding amount		

Total :

19. Dues to Term lending Institutions :

Name of Institution	Original Amount	(Rs. in lakhs)			
		Outstanding		Default	
		Principal	Interest	Principal	Interest
1. I.D.B.I.					
2. I.R.B.I.					
3. I.F.C.I.					
4. I.C.I.C.I.					
5. Others.					
Total					

20. Deferred Credits, if any :

(a)	(b)	(c)	(d)
Name of Institution	Amount	Outstanding	Default
			Principal Interest

21. Foreign Financial Institutions/Foreign Collaborators

(a)	(b)	(c)	(d)
Name of Institution	Amount	Outstanding	Default
			Principal Interest

22. Statutory Liabilities :

P.F. Arrears
 Worker Dues
 ESI Dues
 Excise Arrears
 Sales Tax Arrears
 Electricity Duty Arrears
 Others

23. Fixed Deposits:	(a)	(b)	(c)	(d)	
		Amount	Outstanding	Principal	Interest
(i) From public					
(ii) From Share-holders/directors					
(iii) From others					
24. Total income for last five years (to be indicated separately for each year)			Year	Year	Year
(i) Sales of Products					
(ii) Other income					
(iii) Total					
25. Total expenditure for the last five years (to be indicated separately for each year).			Year	Year	Year
(i) Expenditure excluding depreciation					
(ii) Depreciation					
(iii) Total					
26. Net profit/loss for the last five years (figures for each year to be indicated separately) if final audited figures are not available, provisional figures to be indicated).			Year	Year	Year
(Copy of each of the last five years' balance sheets and profit and loss accounts is to be attached).					
27. Manufacturing activities :					
(a) Whether continuous or shift operation.					
(b) Number of shifts generally worked.					
(c) Number of working days in a month.					
28. Annual installed capacity.					
Name of the products		Capacity			
(a)					
(b)					
(c)					
29. Past production including by-products during the last five years.					
Name of the products or by-products		Year	Year	Year	Year
(a) Quantity					
(b) Value					
30. Physical capacity utilisation, material and labour cost during the last five years :					
(Figures relate to the position at the end of the year)					
		Year	Year	Year	Year
(a) Break even point.					
(b) Cash break even point.					
(c) Percentage of capacity utilisation.					
(d) Material cost as percentage of output.					
(e) Labour cost as percentage of output.					
(f) Total down time as of percentage of total available time.					
(g) Interest cost to operating cost.					
31. Working capital and its financing during the last five years :					
(Figures relate to the position at the end of the year)					
		Year	Year	Year	Year
(a) Total working capital.					
(b) Working capital as percentage of output.					
(c) Working capital financed by :					
(i) Internal resources.					
(ii) Borrowed fund.					
(iii) Cundry creditors.					

32. Inventory Break up as at the end of each of the last five years :

	Year	Year	Year	Year	Year
(a) Raw material.					
(b) Stores and Spares.					
(c) Work in progress.					
(d) Finished Products.					
(e) Sundry debtors.					

33. Fund position as at the end of each of the last five years :

	Year	Year	Year	Year	Year
(a) Cash in hand.					
(b) Cash in Bank.					
(c) Cash Credit utilised.					
(d) Cash overdraft limit.					

34. Order position as at the end of the last financial year :

- (a) Orders in hand.
- (b) Orders in pipeline.
- (c) Orders attempted but refused.

35. Staff or labour employed :

- (a) Managerial
- (b) Supervisory—
 - Technical
 - Non-Technical
- (c) Clerical
- (d) Labour—
 - Skilled
 - Semi-skilled
 - Un-skilled
- (e) Other categories

Head Office Factory Total

36. Reasons for sickness according to informant :

- (a) Managerial Problems.
- (b) Production and Technical Problems.
- (c) Marketing Difficulties.
- (d) Financial Problems.
- (e) Lack of Adequate Infrastructure.
- (f) Other reasons

37. (i) Whether it is possible to make net worth positive within a reasonable time.

- (ii) If so, furnish a note separately indicating steps required to be taken for that purpose. The note should [inter-alia] contain steps taken for capacity utilisation, reducing material component of total cost and inventory of all types, reducing debtors, increasing of orders, reducing losses improving cash position and other relevant techno-economic details.

(iii) Further assistance for modernisation or rehabilitation proposed.

(iv) Whether any legal action already initiated by any creditor/whether already declared a relief undertaking.

38. Any other information considered relevant or useful :

I do hereby certify that the particulars and information given above are based on information derived from records and believed to be true.

Signature of informant

The company has, accordingly, become a sick industrial company within the meaning of clause (o) sub-section (1) of Section 3 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985.

On behalf of the Board of Directors of the Company and duly authorised in that behalf, I hereby make a reference under sub-section (1) of Section 15 of the Act, and request the Board for Industrial and Financial Reconstruction for determination of the measures which shall be adopted with respect to the Company.

Date :

Signature of informant

Place :

To,

The Secretary,
Board for Industrial and
Financial Reconstruction,
NEW Delhi.

FORM-B

(Please see Regulation 19)

Note : Particulars given below shall give the position as on the date unless otherwise directed in the questionnaire.

1. Name and address of the informant.

2. Name of the Industrial company.

Address :

(a) Head Office.

(b) Factory or Factories.

3. (a) Number and date of registration of the factory under the Factories Act, 1948 and the State in which registered.

(b) Number and date of registration of the company under the Companies Act, 1956 and the State in which registered.

(c) The scheduled industry or industries under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 to which the articles manufactured or proposed relate.

(d) Number and date of registration or licence under Industries (Development and Regulation) Act, 1951, in case the company is registered with DGTD, the number and date of registration with DGTD should also be indicated.

(e) Whether an ancillary industrial undertaking within the meaning of clause (aa) of Section 3 of Industries (Development and Regulation) Act, 1951. Yes/No

(f) Whether a small scale industrial undertaking as defined in clause (j) of Section 3 of Industries (Development and Regulation) Act, 1951. Yes/No

4. (a) Name of the promoters and their addresses.

(b) Share-holding pattern :

(i) Promoters

(ii) Associates

(iii) Public

(iv) Public Financial Institutions

(v) State level Institutions.

(c) Details of 10 largest shareholders.

5. Sector Private/Joint

6. Names of Directors :

(Indicating A. Chairman, B. Whole-time Directors including Managing Director, C. Nominee Directors).

7. (a) Main line of business activity.

(b) Other subsidiary business activity.

8. Whether MRTP Company

Yes/No

9. Whether FERA Company

Yes/No

10. Financial position (As per the last two audited Balance-Sheets)

(Rs. in lakhs)

Liabilities As on..... As on..... Assets As on..... As on.....

A. Paid-up capital :

F. Fixed Assets :

B. Reserves :

G. Non-current Assets :

C. Terms Liabilities :

H. Current Assets :

D. Current Liabilities :

I. Others :

E. Others :

J. P & L A/c. Bal. :

Total

Total

11. Cash Losses (i.e., Losses before depreciation but after charging interest) for the last two years :

(1) Rs.....for the Financial year ended.....

(2) Rs.....for the Financial year ended.....

12. Net worth [as defined in the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985].

(a) Peak Net worth and the year :

(b) Net worth at the end of last financial year :

13. Whether closed or working :

(Position of each Plant/Unit/Division to be specified)

14. Dues to Individual Banks :

(Should relate to a recent date to be specified)

(a)	(b)	(c)		(d)		(e)		(f)	(g)
Name of Bank	Working capital limit out-standing amount	Working capital Term Loan		Funded Interest		Term Loans		Total out-standing amount	Irregu-larity
		Original amount	Out-standing amount	Original amount	Out-standing amount	Original amount	Out-standing amount		
Total :									

15. Dues to Term lending Institutions :

(Rs. in lakhs)

Name of Institution	Original amount	Outstanding		Default	
		Principal	Interest	Principal	Interest
1. I.D.B.I.					
2. I.R.B.I.					
3. I.F.C.I.					
4. I.C.I.C.I.					
5. Others					
Total					

16. Reasons for sickness according to informant :

(a) Managerial Problems

(b) Production and Technical Problems

(c) Marketing Difficulties

(d) Financial Problems

(e) Lack of Adequate Infrastructure

(f) Other Reasons

17. Measures taken or contemplated for Revival :

18. Any other information considered relevant or useful :

I do hereby certify that the particulars and information given above are based on information derived from records and believed to be true.

Signature of informant

The company, has accordingly, become a sick industrial company within the meaning of clause (a) sub-section (1) of Section 3 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985.

On behalf of _____, and duly authorised, I hereby make a reference under sub-section (2) of Section 15 of the Act, to the Board for Industrial and Financial Reconstruction for determination of the measures which may be adopted with respect to the company.

Date :

Signature of informant

Place :

To,

The Secretary,
Board for Industrial and
Financial Reconstruction,
New Delhi.

FORM—C

REPORT

(Please see Regulation 36)

Note : Particulars given below shall give the position as on the date unless otherwise directed in the questionnaire.

1. Name of the Industrial company.
Address :
(a) Head Office
(b) Factory or Factories.
2. (a) Number and date of registration of the factory under the Factories Act, 1948 and the State in which registered.
(b) Number and date of registration of the company under the Companies Act, 1956 and the State in which registered.
(c) The scheduled industry or industries under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 to which the articles manufactured or proposed, relate.
(d) Number and date of registration or licence under Industries (Development & Regulation) Act, 1951, in case the company is registered with DGTD, the number and date of registration with DGTD should also be indicated.
(e) Whether an ancilliary industrial undertaking within the meaning of clause (aa) of Section 3 of Industries (Development & Regulation) Act, 1951. Yes/No
(f) Whether a small scale industrial Undertaking as defined in clause (j) of Section 3 of Industries (Development & Regulation) Act, 1951. Yes/No
3. (a) Name of the promoters and their addresses.
(b) Share-holding pattern :
(i) Promoters
(ii) Associates
(iii) Public
(iv) Public Financial Institutions
(v) State level Institutions.
(c) Details of 10 largest shareholders.
4. Sector : Private/Joint
5. Names of Directors :
(Indicating A. Chairman, B. Whole-time Directors including Managing Director, C. Nominee Directors).
6. (a) Main line of business activity.
(b) Other subsidiary business activity.
7. Whether MRTP Company Yes/No
8. Whether FERA Company Yes/No
9. Financial position as per the last two audited Balance sheets) (Rs. in lakhs)

Liabilities	As on.....	As on.....	Assets	As on.....	As on.....
A. Paid-up capital :			F. Fixed Assets :		
B. Reserves			G. Non-current Assets :		
C. Terms Liabilities :			H. Current Assets :		
D. Current Liabilities :			I. Others		
E. Others :			J. P & L A/c. Bal. :		
Total :			Total :		

10. Cash Losses (i.e., Losses Before Depreciation but after charging interest) for the last Two Years :
- (1) Rs.....for the Financial Year ended.....
- (2) Rs.....for the Financial Year ended.....
11. Net worth [as defined in the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985].
- (a) Peak Net worth and the year :
- (b) Net worth at the end of last financial year :
12. Whether closed or working :
- (Position of each plant/Unit/Division to be specified).
13. Dues to Individual Banks : (Should relate to a recent date to be specified).

(a)	(b)	(c)		(d)		(e)		(f)	(g)
Name of Bank	Working Capital limit outstanding amount	Working capital Term Loan		Funded Interest		Term Loans		Total outstanding amount	Irregularity
		Original amount	Outstanding amount	Original amount	Outstanding amount	Original amount	Outstanding amount		
Total :									

14. Dues to Term lending Institutions :			(Rs. in lakhs)			
Name of Institution		Original Amount	Outstanding		Default	
			Principal	Interest	Principal	Interest
1.	I.D.B.I.					
2.	I.R.B.I.					
3.	I.F.C.I.					
4.	I.C.I.C.I.					
5.	Others					
Total						

15. Reasons for potential sickness :
- (a) Managerial Problems
- (b) Production and Technical Problems
- (c) Marketing Difficulties
- (d) Financial Problems
- (e) Lack of Adequate Infrastructure
- (f) Other Reasons.
17. Date of finalisation of duly audited accounts of the company for the relevant financial year (i.e., date of annual general meeting of the company where at duly audited annual accounts of the company were approved for the financial year at the end of which net worth declined to 50% or less to peak net worth during the immediately preceding five financial years).
18. Date on which the general meeting of the shareholders of the company is proposed to be convened for purpose of considering the erosion of net worth.
19. Any other information considered relevant or useful.

I do hereby certify that the particulars and information given above are based on information derived from records and believed to be true.

Date :

Place :

Signature
for and on behalf of the
reporting company
Name and designation of
the authorised officer

To

The Secretary,
Board for Industrial and
Financial Reconstruction
New Delhi.